26 जून 2025
गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

पटना के मरीन ड्राइव क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच गोलीबारी 4

एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने रचा इतिहास, 41 साल बाद भारतीय यात्री अंतरिक्ष मिशन पर रवाना

भारत के लिए गर्व के पल

एजेंसी/नई दिल्ली

कई बार टाले जाने के बाद आखिरकार 25 जून को एक्सिओम-4 को अंतरिक्ष के लिए रवाना कर दिया गया और इसी के साथ भारतीय एस्ट्रोनॉट लखनऊ निवासी शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष के लिए अपनी पहली उड़ान भर ली है। ऐसे में यह भारत के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण पल है। एक्सिओम-4 ने फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च कॉम्प्लेक्स 39ए से उड़ान भरी। आईएसएस के लिए मिशन पर जाने वाले चार अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेसएक्स के मशहूर फॉल्कन 9 रॉकेट पर ले जाया गया है। स्पेसक्राफ्ट ने दोपहर 12.01 बजे (भारतीय समयानुसार) उड़ान भरी।

स्पेसक्राफ्ट से शुभांशु शुक्ला बोले... व्हाट ए राइड

स्पेसक्राफ्ट के अंदर से शुभांशु शुक्ला ने पहला मैसेज दिया। उन्होंने कहा कि नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियों, व्हाट ए राइड... 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं। और कमाल की राइड थी। इस समय हम 7.5 किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं। मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है, जो मुझे बता रहा है कि मैं अकेला नहीं हूं, मैं आप सबके साथ हूं। शुभांशु शुक्ला ने स्पेसक्राफ्ट के अंदर से कहा कि ये मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की जर्नी की शुरूआत नहीं है, ये भारत की ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरूआत है। और मैं चाहता हूं कि सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपका भी सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए। आप भी उतना ही एक्साइटमेंट दिखाइए। आइए हम सब मिलकर भारत की इस ह्यूमन स्पेस जर्नी की शुरूआत करें। धन्यवाद, जय हिंद, जय भारत।

एक्सिओम मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्री हुए हैं रवाना

एक्सिओम मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के लिए रवाना हुए हैं। इसमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला पायलट के रूप में हैं। नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री और एक्सिओम स्पेस में मानव अंतरिक्ष उड़ान के निदेशक पैगी व्हिटसन मिशन की कमान संभाल रहे हैं। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के परियोजना अंतरिक्ष यात्री पोलैंड के स्लावोस्ज उज्नान्स्की-विस्नेवस्की और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोर कापू दोनों मिशन विशेषज्ञ के रूप में हैं। अगर सब कुछ योजनानुसार हुआ तो गुरुवार की सुबह एक्सिओम 4 के चालक दल का स्वागत अंतरिक्ष प्रयोगशाला में मौजूद सात वर्तमान निवासियों द्वारा किया जाएगा - जिनमें तीन अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री, एक जापान के अंतरिक्ष यात्री और तीन रूस के अंतरिक्ष यात्री शामिल होंगे।

कम पृथ्वी कक्षा में स्थायी वाणिज्यिक उपस्थिति बनाना है लक्ष्य: एक्सिओम मिशन-4, नासा और स्पेसएक्स के साथ मिलकर एक्सिओम स्पेस द्वारा आयोजित चौथा निजी अंतरिक्ष मिशन है। इसका लक्ष्य कम पृथ्वी कक्षा में स्थायी वाणिज्यिक उपस्थिति बनाना है। मिशन 25 जून 2025 को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड 39ए से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट और नए क्रू ड्रैगन उ213 अंतरिक्ष यान के साथ लॉन्च हुआ। आईएसएस तक पहुंचने में 28 घंटे लगेंगे, जिसमें कक्षा समायोजन और सुरक्षा जांच शामिल हैं। चार सदस्यों की टीम 14 दिन तक आईएसएस पर रहेगी, जहां वे 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे।

छात्रों से करेंगे लाइव बात

शुभांशु भारतीय वायुसेना के अनुभवी टेस्ट पायलट हैं। उनके पास सुखोई-30, मिग-21, मिग-29, जैगुआर, हॉक और अन्य विमानों में 3000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव है। शुभांशु आईएसएस पर 7 भारतीय और 5 नासा के साथ मिलकर प्रयोग करेंगे। इनमें अंतरिक्ष में मूंग और मेथी जैसी फसलों को उगाने और मानव शरीर पर अंतरिक्ष के प्रभाव को समझने जैसे प्रयोग शामिल हैं। शुभांशु आईएसएस से भारतीय छात्रों के साथ लाइव बातचीत करेंगे ताकि विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में उनकी रुचि बढ़े। वह अपनी यात्रा की तस्वीरें और वीडियो भी साझा करेंगे, जो 1.4 अरब भारतीयों के लिए प्रेरणा होगी।

खबरें फटाफट

ट्रंप बोले... अमेरिका व ईरान के अधिकारी अगले हफ्ते कर सकते हैं बातचीत

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के अधिकारी अगले हफ्ते बातचीत कर सकते हैं। यह संभावित बातचीत उस संवाद की फिर से शुरूआत हो सकती है जो 13 जून से शुरू हुए 12 दिन के इस्राइल-ईरान संघर्ष के कारण बाधित हो गई थी। यह घोषणा ऐसे समय की गई, जब ईरान और इस्राइल के बीच संघर्षविराम फिलहाल कायम दिख रहा है। हालांकि ट्रंप की ओर से संघर्षविराम के एलान के कुछ घंटे बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे पर हमले किए थे। ईरान की ओर से किए गए हमले में इस्राइल के बीयरशेबा शहर में चार लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले ट्रंप ने कहा कि ईरान पर किए गए अमेरिकी हमलों से उसके परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका दिया है। वहीं दूसरी ओर, खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इन हमलों से ईरान को केवल मामूली नुकसान हुआ और उसका परमाणु कार्यक्रम कुछ महीनों के लिए ही रुका। ट्रंप ने कहा, यह एक विनाशकारी हमला था, जिसने उन्हें हिला दिया। ट्रंप प्रशासन ने यह साबित करने के लिए अपने शीर्ष अधिकारियों को आगे किया और कहा कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बोला हमला

50 साल पहले तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था: मोदी

♦ पीएम मोदी बोले- कोई भारतीय कभी नहीं भूल सकता कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया, संसद की आवाज दबाई गई

एजेंसी/नई दिल्ली

देश में 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने आपातकाल के दिनों को याद करते हुए कहा कि आज भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक आपातकाल लागू होने के पचास साल पूरे हो गए हैं। यह वो वक्त था जब तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने लोकतंत्र को बंधक बना लिया था। पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी भारतीय कभी नहीं भूल सकता कि किस तरह हमारे संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया। संसद की आवाज दबाई गई और अदालतों को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। 42वां संशोधन उनकी हरकतों का एक प्रमुख उदाहरण है। गरीबों, हाशिए पर पड़े लोगों और दलितों को खास तौर पर निशाना बनाया गया, जिसमें उनकी गरिमा का अपमान भी शामिल है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं। ये लोग पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। उनका लक्ष्य था भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने यह सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े। जिसमें वे बुरी तरह हार गए।

आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का अनुभव था

पीएम ने लिखा कि हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करेंगे। आपातकाल के दिनों को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब आपातकाल लगाया गया था, तब मैं आरएसएस का युवा प्रचारक था। आपातकाल विरोधी आंदोलन मेरे लिए सीखने का एक अनुभव था। इसने हमारे लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने की अहमियत को फिर से पुष्ट किया। साथ ही मुझे राजनीतिक स्पेक्ट्रम के सभी लोगों से बहुत कुछ सीखने को मिला। मुझे खुशी है कि ब्लूक्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन ने उन अनुभवों में से कुछ को एक किताब के रूप में संकलित किया है। जिसकी प्रस्तावना एचडी देवेगौड़ा जी ने लिखी है, जो खुद आपातकाल विरोधी आंदोलन के एक दिग्गज थे।

लोग साझा करें अनुभव: पीएम मोदी ने कहा कि द इमरजेंसी डायरीज आपातकाल के दौरान मेरी यात्रा का वृत्तांत है। इसने उस समय की कई यादें ताजा कर दीं। मैं उन सभी लोगों से आग्रह करता हूं जो आपातकाल के उन काले दिनों को याद करते हैं या जिनके परिवारों ने उस दौरान कष्ट झेले हैं कि वे अपने अनुभवों को सोशल मीडिया पर साझा करें। इससे युवाओं में 1975 से 1977 तक के शर्मनाक समय के बारे में जागरूकता पैदा होगी।

मल्लिकार्जुन खरगे का पलटवार

पिछले 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल है

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हमले को लेकर उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि पिछले 11 साल से देश में अघोषित आपातकाल है तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मोदी सरकार की विफलताओं को छिपाने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का नाटक कर रही है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए यह दावा किया कि निर्वाचन आयोग मोदी सरकार की कठपुतली बन गया है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कारण ही आज संविधान संकट में है। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, जिनका देश की आजादी के आंदोलन और संविधान निर्माण में कोई योगदान नहीं रहा। जिन लोगों ने इस संविधान को बनाने में सहयोग नहीं किया। जो लोग हमेशा संविधान के खिलाफ बात करते रहे, वे आज तरह-तरह की बातें कर रहे हैं।" उन्होंने दावा किया, ह्यजिस संविधान को बाबा साहेब आंबेडकर जी, नेहरू जी, गांधी जी और संविधान सभा ने तैयार किया था, उसे भी आरएसएस के लोगों ने रामलीला मैदान में जलाया था। यही नहीं, आरएसएस के लोगों ने बाबा साहेब आंबेडकर जी, नेहरू जी और गांधी जी का पुतला भी जलाया था।

पटना में एक नाबालिग लड़की के साथ चार नाबालिगों ने किया रेप

पीड़िता की शिकायत पर सभी आरोपी गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

बिहार की राजधानी पटना से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक नाबालिग लड़की को सोशल मीडिया पर एक लड़के से दोस्ती करना भारी पड़ गया। जानकारी के अनुसार, चार लड़कों ने मिलकर लड़की का रेप किया। जिसके बाद घटना की शिकायत पुलिस से की गई। हालांकि लड़के और लड़की सभी नाबालिग बताए जा रहे हैं। पीड़िता की शिकायत के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। जानकारी के अनुसार, राजधानी के कोतवाली थाना अंतर्गत होटल वाली गली में एक नाबालिग के साथ गैंग रेप की घटना सामने आई। घटना को अंजाम देने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं, आठवीं और 10वीं क्लास के छात्र हैं।

इन आरोपियों ने पूछताछ में यह भी जानकारी दी कि इनके ग्रुप के एक लड़के का इंस्टाग्राम के जरिए पहले एक लड़की से संपर्क हुआ, फिर ये संपर्क दोस्ती में बदल गई। लड़की बाद में धीरे धीरे ग्रुप के सभी दोस्तों से जुड़ गई और इन सबके बीच नजदीकियां भी बढ़ती चली गई। करीब एक महीने पहले लड़की राजधानी के दीपनगर इलाके में स्थित एक आरोपी के घर पर पहुंचीं थी, जहां पर इन दोनों ने शारीरिक संबंध बनाएं। इसके बाद लड़की ग्रुप के अन्य तीन दोस्तों के साथ राजधानी के ही बाईपास से सटे एक होटल में गई, जहां तीनों ने बारी बारी से रेप किया। लड़की ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मंगलवार के दिन कोतवाली इलाके के एक होटल में ये लड़के उसे बुलाकर लाए और वहां रेप किया। लड़की ने होटल से निकलने के बाद अपने परिजन को इस बारे में जानकारी दी। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। जिस आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। नाबालिग लड़के इस मामले में पकड़े गए हैं, जिनसे पुलिस ने पूछताछ की है। कोतवाली थाने की महिला पुलिसकर्मी शोभा कुमारी और एएसआई राजीव रंजन ने कोर्ट में लड़की का बयान दर्ज करा लिया है। एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा ने बताया कि चारों आरोपियों को पटना पुलिस के द्वारा कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किया गया है।

आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की होगी स्थापना

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में आपातकाल के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया है।इसके साथ ही कैबिनेट की बैठक में तीन महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर लगाई गयी। पुणे में मेट्रो विस्तार के लिए मेट्रो लाइन 2 को कैबिनेट की मंजूरी मिली। इसके साथ ही झरिया कोल्फील्ड पुनर्वास के लिए 5940 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। कैबिनेट की बैठक में आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र की स्थापना के लिए 111.5 करोड़ की मंजूरी दी गई है। कैबिनेट की ओर से आपातकाल के खिलाफ पारित प्रस्ताव में कहा गया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उन अनगिनत व्यक्तियों के बलिदान को याद करने और सम्मान देने का संकल्प लिया, जिन्होंने आपातकाल और भारतीय संविधान की भावना को नष्ट करने के उसके प्रयास का बहादुरी से विरोध किया था।

पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मिली मंजूरी: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मंजूरी दे दी है। वनज से चांदनी चौक (कॉरिडोर 2ए) और रामवाड़ी से वाघोली/विट्ठलवाड़ी (कॉरिडोर 2बी), जो कि पहले चरण के तहत मौजूदा वनज-रामवाड़ी कॉरिडोर का विस्तार है। ये दोनों एलिवेटेड कॉरिडोर 12.75 किलोमीटर तक फैले होंगे और इनमें 13 स्टेशन शामिल होंगे, जो चांदनी चौक, बावधन, कोथरुड, खराडी और वाघोली जैसे तेजी से विकसित हो रहे उपनगरों को जोड़ेंगे।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के आगरा, उत्तर प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र (सीआईपी) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (सीएसएआरसी) की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस निवेश का मुख्य उद्देश्य आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन और मूल्य संवर्धन में सुधार करके खाद्य एवं पोषण सुरक्षा, किसानों की आय और रोजगार सृजन को बढ़ाना है।

संशोधित झरिया मास्टर प्लान को मिली मंजूरी: अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैबिनेट समिति ने झरिया कोलफील्ड में आग, भूमि धंसाव और प्रभावित परिवारों के पुनर्वास से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए संशोधित झरिया मास्टर प्लान (जेएमपी) को मंजूरी दे दी है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अचानक बिगड़ी तबीयत

नैनीताल। उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया। उन्हें नैनीताल राजभवन ले जाया गया, जहां डॉक्टर उनका उपचार कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि उपराष्ट्रपति बुधवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने नैनीताल पहुंचे थे। कार्यक्रम के समापन पर जैसे ही वह बाहर निकले, उनके सीने में दर्द उठा। इसके बाद उन्हें राजभवन ले जाया गया।

सीबीएसई एग्जाम कंट्रोलर संयम भारद्वाज बोले... ये नियम बोर्ड क्लास 10 एग्जाम पर होगा लागू

नई व्यवस्था... सीबीएसई 2026 से साल में दो बोर्ड परीक्षा लेगा

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) अगले साल यानी 2026 से साल में दो बोर्ड परीक्षा लेगा। इस बात पर मुहर लग गई है। अब तक ये ड्राफ्ट पॉलिसी थी। लेकिन अब कन्फर्म हो चुकी है। बुधवार को ही सीबीएसई एग्जाम कंट्रोलर संयम भारद्वाज ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए इस बारे में जानकारी दी है। ये नियम फिलहाल सिर्फ सीबीएसई बोर्ड क्लास 10 एग्जाम पर लागू किया जा रहा है।

सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक कहा कि 10वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए पहले फेज के एग्जाम में शामिल होना अनिवार्य होगा। जबकि दूसरे चरण की परीक्षा ऑप्शनल होगी। यानी आप चाहें तो इसमें शामिल हो सकते हैं या नहीं, ये स्टूडेंट की मर्जी है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन की आधिकारिक सूचना के अनुसार, सीबीएसई बोर्ड एग्जाम 2026 कक्षा 10 का पहला चरण फरवरी के महीने में होगा। जबकि दूसरा फेज मई में लिया जाएगा। स्टूडेंट्स के बोर्ड परीक्षा का स्ट्रेस कम करने और उन्हें अपने नंबर बेहतर करने का दूसरा मौका देने के लिए ये फैसला लिया गया है। ये बदलाव नई शिक्षा नीति के तहत किए गए हैं। सीबीएसई 10इं में दो बार बोर्ड एग्जाम का समय बताने के साथ-साथ संयम भारद्वाज ने इनके रिजल्ट्स की भी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पहले चरण वाली परीक्षा के लिए सीबीएसई का रिजल्ट अप्रैल 2026 में आएगा। जबकि दूसरे चरण वाली परीक्षा के लिए परिणाम जून 2026 में जारी होगा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक दो बोर्ड परीक्षा में क्लास 10 में स्टूडेंट्स तीन प्रमुख विषयों के मार्क्स बढ़ा सकेंगे। साइंस, मैथ्स, सोशल साइंस और भाषा विषयों में से कोई तीन। इंटरनल असेसमेंट्स साल में एक ही बार होंगे। विंटर बाउंड स्कूल्स के छात्र छात्राओं को ये छूट होगी कि वो दोनों में से कौन से फेज में परीक्षा देना चाहते हैं।

डीईओ कार्यालय समेत चोरी की तीन घटनाओं में पांच अभियुक्त गिरफ्तार

♦ गिरफ्तार आरोपितों में दो चोर व चोरी का माल खपाने वाले तीन शामिल, चोरी गया सामान बरामद, मुख्य अभियुक्त का है पुराना आपराधिक इतिहास

केटी न्यूज/बक्सर

22 जून की रात जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में हुई चोरी की घटना समेत बक्सर में हाल के दिनों में चोरी की दो अन्य घटनाओं समेत कुल तीन घटनाओं का उद्भेदन पुलिस ने कर दिया है। पुलिस ने इन घटनाओं में शामिल दो शातिर चोरों के अलावे चोरी का माल खपाने के आरोप में दो महिला व एक पुरूष समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इसकी जानकारी दी।

एसपी ने बताया कि 22 जून को जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यायल का गेट काट चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर इस घटना में शामिल चोरों की शिनाख्त कर उन्हें पकड़ने का निर्देश दिया गया। गठित टीम ने आस पास के सीसीटीवी फुटेज खंगलाने के साथ ही वैज्ञानिक पद्धति से अनुसंधान किया तो डीईओ कार्यालय में चोरी मामले में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महदह गांव निवासी सोनल कुमार सिंह पिता शैलेश कुमार सिंह की संलिप्तता सामने आई।

दो अन्य घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकारी: एसपी ने बताया कि पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया तथा पूछताछ में उसने डीईओ कार्यालय के साथ ही बक्सर में हुई चोरी की दो अन्य घटनाओं में भी अपनी संलिप्तता स्वीकारी तथा बताया कि चोरी की इस वारदात में उसके साथ नगर थाना क्षेत्र के बुधनपुरवा निवासी मोनू उर्फ कृष्णा कुमार पिता नंदजी गुप्ता भी शामिल था तथा चोरी के दौरान मिले सोने के आभूषण को बुधनपुराव की ही रिंकू देवी पति नंदजी साह तथा इलेक्ट्रानिक सामानों को शांतिनगर की सोना देवी पति बुचुन राजभर व नसीम खान को बेचा है।

इसके बाद पुलिस ने मोनू के साथ ही चोरी का सामान खरीदने वाले दो दोनों महिलाओं तथा नसीम को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से चोरी किया गया दो जोड़ी दुल्हन पायल, चांदी के 12 सिक्के, चार जोड़ी चांदी की बिछिया, दो पीस नाक का कील (सोने का) तथा दो एलईडी टीवी बरामद किया गया है। आवश्यक पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया गया है। एसपी ने बताया कि इनमें सोनल का अपराधिक इतिहास मिला है। उस पर नगर थाने में कांड संख्या 35/25 दर्ज है। वहीं, दूसरे चोर का अपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

उन्हें गिरफ्तार करने वाली टीम में सदर डीएसपी धीरज कुमार के अलावे नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार, नगर थाने के दारोगा प्रफ्फुल कुमार, चंदन कुमार सिंह समेत सशस्त्र बल शामिल रहे।

एक नजर

डुमरांव रिजर्वेशन काउंटर से टिकट की दलाली करने वाले दो गिरफ्तार, मास्टरमाइंड फरार

डुमरांव। रेल पुलिस के वरीय अधिकारियों के निर्देश पर बुधवार को आरपीएफ की टीम ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर छापेमारी अभियान चला टिकट की दलाली करने वाले दो दलालों को गिरफ्तार किया है, उनके पास से आठ यात्रियों के लिए 7300 रूपए मूल्य के आठ तत्काल टिकट बरामद किए गए। पूछताछ में दोनों ने टिकट की दलाली में अपनी संलिप्तता स्वीकारने के साथ ही मास्टरमाइंड की पहचान भी आरपीएफ टीम को बताई है। दलालों की पहचान सिमरी के पंकज कुमार पांडेय पिता स्व. रामकुमार पांडेय और कोरानसराय थाना क्षेत्र के नाजिरगंज गांव निवासी रंजन कुमार पिता विजय गोंड के रूप में हुई है। उनसे मिली जानकारी के आधार पर आरपीएफ की टीम मास्टर माइंड को गिरफ्तार करने के प्रयास में जुट गई है। आरपीएफ ने बताया कि बुधवार को भी दोनों आरोपी दानापुर से सिकंदराबाद और गोरखपुर से लोकमान्य तिलक, मुंबई के लिए चार-चार यात्रियों के तत्काल टिकट बनवाकर मुख्य सरगना को सौंपने जा रहे थे, तभी आरपीएफ टीम ने उन्हें धर दबोचा। पकड़े जाने की सूचना मिलते ही उनका सरगना मौके से फरार हो गया और उसने अपना मोबाइल फोन भी बंद कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। छापेमारी आरपीएफ इंस्पेक्टर कुंदन कुमार के नेतृत्व में की गई। उन्होंने बताया कि टिकट काउंटरों पर दलालों की पकड़ खत्म करने के लिए टीम को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि आम यात्रियों को बिना परेशानी टिकट मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई से अन्य टिकट दलालों में हड़कंप मचा है और इस मामले में संलिप्त अन्य दलालों व कर्मचारियों की मिलीभगत की भी जांच की जा रही है। जल्द ही और गिरफ्तारियां की जाएंगी। इस पूरी कार्रवाई में उपनिरीक्षक दिनेश चौधरी, उपनिरीक्षक विजेंद्र मुवाल, आरक्षी सुजीत कुमार एवं अन्य बल के सदस्य शामिल रहे।

कुमार अथोर्पेडिक क्लीनिक में आज आयोजित होगा मुफ्त चिकित्सा शिविर, तैयारी पूरी

डुमरांव। नगर के सुमित्रा कॉलेज रोड के ढेलवानी मोड़ के समीप स्थित कुमार अथोर्पेडिक क्लीनिक में गुरूवार को एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। इस मुफ्त चिकित्सा शिविर में प्रसिद्ध चिकित्सक तथा जेनरल व लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अरूण कुमार द्वारा मरीजों की जांच कर उन्हें उचित चिकित्सकीय सलाह दी जाएगी तथा जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त दवा भी दिया जाएगा। अस्पताल संचालक जैनुल होदा ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में सभी प्रकार के मरीजों का मुफ्त जांच किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस शिविर का आयोजन समाज के कमजोर वर्ग के मरीजों को मुफ्त व उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधा दिलाने के उदेश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार करवाया गया है तथा इस शिविर में सैकड़ो की संख्या में मरीजों के आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि डॉ. अरूण काफी अनुभवी डॉक्टर है तथा उनके द्वारा गॉल ब्लाडर स्टोन, हार्निया, अपेन्डिक्स, ब्रेस्ट-कैंसर, बच्चादानी, बवासीर (स्टेपलर विधि द्वारा), भकंदर, आंतों में छिद्र होना, हाईड्रोसिल, किडनी स्टोन, पुरूष नसबंदी, बिना टांके के एवं अन्य सभी प्रकार के जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक विधि (दुरबीन) द्वारा मरीजों का सफल ऑपरेशन किया जाता है। जैनुल होदा ने बताया कि इस शिविर की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि अनुमंडल इलाके के मरीज गुरूवार को अस्पताल आकर अपने रोग का मुफ्त जांच करवा जरूरी चिकित्सकीय परामर्श ले सकते है।

खबरें फटाफट

अपहृत युवती रोहतास से बरामद, प्रेमी धराया

नावानगर। बासुदेवा थाना क्षेत्र के एक गांव से पांच दिन पूर्व अपहृत युवती को पुलिस ने रोहतास जिले के बतसा गांव से सकुशल बरामद कर लिया है। जिसके बाद पुलिस ने युवती को फर्द बयान हेतु बक्सर कोर्ट भेज दिया है। थानाध्यक्ष मधुबाला भारती ने बताया कि सूचना मिली की अपहृत युवती अपने प्रेमी के साथ रोहतास जिले के बतसा गांव में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से युवती को बरामद कर लिया। साथ ही उसके प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बता दे कि युवती के पिता ने अपनी बेटी के शादी की नीयत से अपहरण किए जाने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

बिजली चोरी को लेकर दो पर केस दर्ज

डुमरांव। शहर के तिवारी टोला व रामलगन कोहार की गली में बिजली कंपनी ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें बिजली चोरी करने के आरोप में दो के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए जुर्माना भी लगाया गया। दौरान विभागीय टीम ने अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे दोनों उपभोक्ताओं पर कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। बिजली विभाग की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया है।

16 सूत्री मांगों के समर्थन में ग्रामीण आवास कर्मियों का अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

ग्रामीण आवास कर्मी आज से पटना में देंगे धरना, योजना पर पड़ेगा बुरा प्रभाव

♦ सगासा संघर्ष समन्वय समिति के आह्वान पर किया जा रहा है अनिश्चितकालीन हड़ताल

केटी न्यूज/बक्सर

राज्य ग्रामीण आवास सेवा संघ, कर्मी संघ, पर्यवेक्षक संघ एवं लेखापाल संघ की संयुक्त इकाई सगासा संघर्ष समन्वय समिति के बैनर तले राज्य व्यापी अभियान के तहत गुरुवार से ग्रामीण आवास कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू किया।

पहले दिन तय कार्यक्रम के अनुसार जिला मुख्यालय पर धरना दिया गया। बक्सर में यह धरना किला मैदान परिसर में आयोजित हुआ था। जिसमें ग्रामीण आवास कर्मियों ने सेवा स्थायी करने व मानदेय वृद्धि समेत अपने 16 सूत्री मांगों को जोरदार तरीके से उठाया और कहा कि गुरूवार से राज्य के सभी जिलों के ग्रामीण आवास कर्मी पटना स्थित गर्दनीबाग में धरना पर बैठेंगे। इस दौरान उनका काम पूरी तरह से ठप रहेगा। धरना की अध्यक्षता संघ के जिला उपाध्यक्ष अजय कुमार व संचालन मीडिया प्रभारी उमेश कुमार राणा ने किया।

वक्ताओं ने ने कहा कि वे हर गांव में पीएम आवास योजना को धरातल पर उतारने का काम करते है। यह केन्द्र व राज्य सरकार का महत्वपूर्ण कार्य। जिन जरूरतमंदों का अपना घर नहीं होता है, उनकी सूची तैयार कर उन्हें आवास योजना का लाभ दिलवाने का काम हम सभी ग्रामीण आवास कर्मी करते है, बावजूद सरकार न तो हमारी नौकरी को स्थानीय कर रही है और न ही सम्मानजनक मानदेय दे रही है। जिससे परिवार का गुजर बसर करना मुश्किल हो रहा है। ग्रामीण आवास सहायकों ने कहा कि जबतक सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करती है तबतक हमलोगों का आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान ग्रामीण आवास सहायक प्रभा शंकर मिश्र, अजित मिश्र, अमित कुमार गोस्वामी, दिलीप वर्मा, रामाकांत गिरी, उमेश राय, अर्जुन दूबे, किशलय किशोर, संदीप सिंह समेत दर्जनों अन्य ग्रामीण आवास सहायक मौजूद थे।

बड़ी संख्या में धरना-प्रदर्शन में शामिल होंगे ग्रामीण आवास कर्मी: सगासा संघर्ष समन्वय समिति बक्सर के सक्रिय सदस्य प्रभाशंकर मिश्र ने बताया कि गुरूवार से पटना के गर्दनीबाग में आयोजित होने वाले राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन धरना कार्यक्रम में पूरे राज्य से बड़ी संख्या में ग्रामीण आवास कर्मी शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण आवास सहायकों के प्रति सरकार के उदासीन रवैये तथा उनके खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई से राज्यभर के ग्रामीण आवास सहायकों में गहरा आक्रोश है, जिस कारण सभी ग्रामीण आवास कर्मी राज्य व्यापी धरना कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा मांगे पूरी होने तक हमलोगों का धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि पटना में आयोजित धरना में बक्सर जिले के सभी प्रखंडो के ग्रामीण आवास सहायक शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमलोगों की मांगे जायज है तथा हमलोग अपनी चट्टानी एकता से इस बार सरकार को झुकने पर मजबूर कर देंगे। वहीं, दूसरी तरफ ग्रामीण आवास सहायकों के अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने से ग्रामीण आवास विभाग के कार्य ठप पड़ गए है। गौरतलब हो कि हाल ही में सरकार ने आवास सहायकों से ही सर्वे का काम करवाया था, लेकिन इनके हड़ताल पर चले जाने से आगे का काम प्रभावित होगा।

नौकरी स्थायी करने व सम्मानजनक मानदेय है कर्मियों की प्रमुख मांग

ग्रामीण आवास सहायकों ने जिन मांगों के समर्थन में यह अनिश्चितकालीन धरना दिया है, सम्मानजनक मानदेय पुनरीक्षण, नौकरी स्थायी करने व राज्यकर्मी का दर्जा देने, स्थायी कर्मियों के अनुरूप सुविधा देने, समान काम का समान वेतन देने, उच्च स्तरीय कमिटि की रिपोर्ट को लागू करने, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश का पालन करने, सेवा पुस्तिका का संधारण करने, गृह प्रखंड से 15 किलोमीटर तक के प्रखंड में स्थानांतरण करने, ग्रामीण आवास कर्मियों की मृत्यु के बाद आश्रितों को अनुकंपा का लाभ देने, ग्रामीण आवास कर्मियों के साथ होने वाले भयादोहन व अनावश्यक सख्ती पर रोक लगाने, ग्रामीण आवास कर्मियों को अन्य कार्यों में न लगाकर प्रशासनिक दमनात्मक कार्रवाई से बचाने, ग्रामीण आवास कर्मियों को दूसरे काम में प्रतिनियुक्त करने पर उन्हें विशेष भत्ता देने, संविदा रद्द ग्रामीण आवास कर्मियों को फिर से बहाल करने, रिक्त पदों को भरने के लिए विज्ञापन निकालने, ग्रामीण आवास सहायकों को परीक्षाओं में कार्य अनुभव का वेटेज देने तथा ग्रामीण आवास कर्मियों के पदनाम में संशोधन करते हुए नया पदनाम पंचायत सहायक, प्रखंड लेखापाल एवं प्रखंड पर्यवेक्षक करने की मांग शामिल है।

छतनवार में करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

♦ दरवाजे में प्रवाहित होने लगी थी बिजली

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छतनवार गांव में करंट की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया है। मृतका की पहचान छतनवार गांव निवासी सरोज महतो की 45 वर्षीय पत्नी शीला देवी के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार उसके घर में लगे लोहे के दरवाजा धारा प्रवाहित तार की चपेट में आ गया था, इसी दौरान उक्त महिला अचानक उक्त दरवाजे के संपर्क में आ गई, जिससे उसे करंट का जोरदार झटका लगा तथा मौके पर ही उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि उक्त मकान में विद्युत आपूर्ति देने वाला तार उसी दरवाजे से होकर गया था तथा दरवाजे के रगड़ से तार का कवर हट गया था तथा दरवाजे में करंट प्रवाहित होने लगा था। इधर इससे अनजान उक्त महिला उसके चपेट में आ गई। घटना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष चंचल महंथा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि अभी तक इस मामले में स्वजनों द्वारा किसी तरह का आवेदन नहीं दिया गया है।

बक्सर में 17 लाख की विदेशी शराब लदी कार जब्त, महिला समेत तीन गिरफ्तार

♦ एसपी को मिली गुप्त सूचना पर गोलंबर के पास छापेमारी अभियान चला तस्करों को पकड़ा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर पुलिस ने गुप्त सूचना पर विदेशी शराब लदी एक कार को जब्त करने के साथ ही एक महिला समेत कुल तीन तस्करों को पकड़ा है। कार से लगभग 17 लाख रुपये की 94.69 ली. विदेशी शराब बरामद की गई।

एसपी शुभम आर्य ने प्रेस वार्ता में बताया कि मंगलवार की रात गुप्त सूचना मिली थी कि सफेद रंग की एक कार से यूपी से शराब की खेप लेकर तस्कर आ रहे है। इस सूचना पर सदर डीएसपी धीरज कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापेमारी अभियान चलाने का निर्देश दिया गया। इस टीम ने रात में ही गोलंबर के पास छापेमारी अभियान चलाया। इसी दौरान सफेद रंग की एक कार आती दिखाई दी, जिसका नंबर डीएल 5 सीएच 5900 था। पुलिस टीम को देखते ही चालक गाड़ी का स्पीड बढ़ा भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया तथा तलाशी लेने पर कार की डिग्गी से विदेशी शराब की पेटिया बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने कार में मौजूद एक महिला समेत तीन लोगों को गिरफतार किया।

गिरफ्तार तस्करों में पटना के मनेर थाना क्षेत्र क शेरपुर गांव निवासी मनीष कुमार पिता मदन साह, समस्तीपुर के नसीम राईन पिता हसन राईन व दिव्या देवी पति देवनारायण चौपाल शामिल है। एसपी ने बताया कि तीनों लंबे समय से शराब की तस्करी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आवश्यक पूछताछ के बाद तीनों को जेल भेज दिया गया है।

ब्रह्मपुर बाजार में सड़क चौड़ीकरण योजना का प्रभारी मंत्री ने किया शिलान्यास

10 मीटर चौड़ी होगी सड़क, लोगों को मिलेगी जाम के झाम से निजात

♦ बोले मंत्री... टुंड़ीगंज में भी आरओबी योजना की स्वीकृति मिल गई है, स्टेशन तक बनेगा रोड

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

राज्य के पथ निर्माण मंत्री तथा बक्सर के प्रभारी मंत्री नितिन नवीन ने बुधवार को नगर पंचायत ब्रह्मपुर में सड़क चौड़ीकरण योजना का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि मुझे भी कई बार बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ का दर्शन करने का अवसर मिला है और उन्हीं के आशीर्वाद से जिले में विकास की कई महत्वपूर्ण योजनाओं को कार्यान्वित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुर चौरस्ता से बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ का मंदिर होते हुए प्रखंड कार्यालय तक करीब ढ़ाई किलोमीटर तक सड़क का चौड़ीकरण किया जाएगा। अब यह सड़क 10 मीटर चौड़ी हो जाएगी। बाबा के यहां आने वाले लोगों को भीड़ और जाम से काफी परेशानी होती थी। इसके निर्माण से यहां आने वाले लोगों को काफी सुविधा मिलेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि बक्सर के जेल रोड, ज्योति चौक तथा भोजपुर से सिमरी तक सड़क के चौड़ीकरण और मजबूती कारण योजना का टेंडर हो गया है और शीघ्र ही कार्य भी शुरू होगा। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशन योजना वृद्धि को सरकार की बड़ी कामयाबी बताते हुए कहा कि एक करोड़ से अधिक गरीब लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा। प्रभारी मंत्री ने नाला निर्माण के अलावा चौरास्ता पर चापाकल लगाने और डीलक्स शौचालय का निर्माण करने का भी आदेश दिया। उन्होंने यह भी बताया कि टुंड़ीगंज में भी आरओबी योजना की स्वीकृति मिल गई है और इस सड़क का विस्तार वहां तक किया जाएगा।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास का जितना कार्य हुआ। उतना काम पहले कभी नहीं हुआ था। बक्सर कोईलवर तटबंध पर सड़क सहित आर ओ बी और अन्य विकास योजनाओं का लाभ यहां की जनता को मिलेगा। स्वागत भाजपा के प्रदेश मंत्री संतोष रंजन राय और धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष बृजेश चौबे ने किया।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विनोद राय, वरिष्ठ नेता धीरेंद्र तिवारी उर्फ छोटे तिवारी, इंद्रजीत बहादुर सिंह उर्फ चुन्नू सिंह, भूटेली तिवारी, विनोद उपाध्याय, वंशी पांडेय, श्रीभगवान त्यागी, अतीश लाल,जीउत साह, संतोष ओझा आदि बड़ी संख्या में भाजपा नेता उपस्थित थे।

चौसा के युद्ध ने बदल दिया था दिल्ली सल्तनत का ताज, आज भी उपेक्षित है यह ऐतिहासिक मैदान

- आज ही के दिन शेरशाह के शूरवीरों ने चौसा में किया था मुगल बादशाह हुमायू को पराजित
- जान बचाने के लिए गंगा में कूद गया था बादशाह, भिश्ती ने बचाई थी जान

केटी न्यूज/चौसा

ऐतिहासिक चौसा युद्ध में आज के ही दिन यानी 26 जून 1539 को अफगान शासक शेरशाह सूरी ने मुगल बादशाह हुमायूं को बूरी तरह से पराजित कर दिया था। लेकिन, शेरशाह के मुट्ठी भर लड़ाकों जिस ऐतिहासिक मैदान पर मुगल बादशाह को धूल चटा उन्हें जान बचाकर भागने को मजबूर किया था वह मैदान आज उपेक्षा का शिकार है।

बता दें कि इस युद्ध में हारने के बाद जान बचाने के लिए मुगल बादशाह गंगा में कूद गया था। इस दौरान एक भिश्ती निजामुद्दीन ने अपने मशक के सहारे बादशाह की जान बचाई थी। जिससे खुश हो हुमायूं ने बाद में उसे एक दिन का बादशाह भी घोषित किया था तथा उस भिश्ती ने एक दिन के बादशाह बनने पर चमड़े का सिक्का चलाया था, यह सिक्का आज भी संग्रहालय में पड़ा चौसा में शेरशाह के लड़ाकों का मूक सबूत बना हुआ है। वहीं, युद्ध जीतने के बाद शेरशाह खुद को बादशाह घोषित कर दिया था तथा शेरशाह की उपाधि ग्रहण की थी।

इस युद्ध ने भारतीय इतिहास की धारा मोड़ दी थी, लेकिन यह स्थल आज तक उचित पहचान और विकास की राह देख रहा है। जिस मैदान ने दिल्ली के ताज को बदल कर रख दिया था वहां जाने के लिए आज कायदे से रास्ता तक मौजूद नहीं है। वहीं, संग्राहाल सहित अन्य जरूरी विकास कार्यों की बाट जोह रहा है। शासन प्रशासन की उदासीनता से इस ऐतिहासिक मैदान का अस्तित्व जमींदोज होने की कगार पर आ खड़ा हुआ है।

युद्धस्थली के समग्र विकास की बनी थी योजनाः वर्ष 2023 में पर्यटन विभाग ने स्थानीय निवासियों व इतिहास से लगाव रखने वाले लोगों की मांग पर इस ऐतिहासिक युद्ध स्थली के जीर्णोद्धार तथा वहां संग्रहालय सहित कई अन्य स्मारक निर्माण के लिए 3.89 करोड़ की लागत से युद्धस्थल के विकास की योजना बनाई थी, जिसमें चाहरदीवारी, टिकट कक्ष, शौचालय, मुख्य व पिछला द्वार, पार्क, लैंडस्केपिंग, सोलर लाइट, बेंच आदि शामिल हैं। पहले किश्त के तहत हुए कार्य का उद्घाटन भी सूबे के मुखिया द्वारा किया गया, लेकिन अभी तक समग्र विकास जैसा काम नहीं हो पाया है। इस स्थल को स्थानीय जनता और इतिहास प्रेमियों द्वारा चौसा को राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा देने और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किये जाने की मांग की है, जिससे न सिर्फ क्षेत्र का गौरव बढ़े, बल्कि स्थानीय विकास को भी गति मिल सकें। देखना है कि राज्य सरकार द्वारा इस ऐतिहासिक स्थल का सौदर्यीकरण करा इसे पर्यटन क्षेत्र के रूप में कबतक विकसित किया जा रहा है। स्थानीय निवासी आज भी चौसा की ऐतिहासिक युद्ध में मुगल बादशाह की करारी हार पर खुद को गौरवान्वित महसूस करते है।

पुरातत्व विभाग की खुदाई में मिले थे प्राचीन सभ्यता के अवशेष

चौसा में वर्ष 2010 में पुरातत्व विभाग ने सर्वेक्षण के बाद खुदाई करवाई थी। खुदाई में बहुत सारी प्राचीन मूर्तियां व कई अन्य ऐतिहासिक अवशेष मिले थे, जिससे चौसा को पांच हजार साल पुरानी सभ्यता से जोड़ा गया था। इन अवशेषों में जैन, पाल और गुप्तकालीन मूर्तियां शामिल हैं, जो अब पटना संग्रहालय में संरक्षित हैं। उसे अब बक्सर संग्रहालय में संरक्षित किया जा रहा है, लेकिन उसके बाद पुरातत्व विभाग की खोज शायद बंद हो गई है। स्थानीय इतिहास के जानकारों का कहना है कि यदि चौसा तथा आस पास के इलाकों की गहराई से खुदाई करवाई जाए तो हजारों साल पुरानी सभ्यता होने के कई और प्रमाण मिल सकते है।

खबरें फटाफट

मरम्मति को ले विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

बिक्रमगंज। नारायणपुर ग्रिड में मरम्मति का कार्य करने के कारण ग्रिड से निकलने वाले 33 केवी सूर्यपुरा फीडर का विद्युत आपूर्ति 10 बजे से 11 बजे तक व संझौली फीडर विद्युत आपूर्ति 12 बजे से 1 बजे तक बन्द रहेगी। सहायक कार्यपालक अभियंता संचरण प्रमंडल बिक्रमगंज उपेंद्र सिंह ने बताया कि उक्त अवधि में ग्रिड द्वारा मरम्मती का कार्य किया जायेगा। सहायक विद्युत अभियंता विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा उपभोक्ताओ से आग्रह किया गया है कि विद्युत आपूर्ति बंद होने से पहले ही बिजली संबंधित अपना जरूरी काम निपटा लेंगे।

शराब के साथ एक कारोबारी गिरफ्तार

नासरीगंज। पुलिस ने बाइक और अंग्रेजी शराब के साथ एक कारोबारी को घर दबोचा। कछवां थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कैथी से मिली गुप्त सूचना के आधार पर कछवां निवासी ब्रह्मचारी खरवार के 21 वर्षीय पुत्र मानवता खरवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार कारोबारी के पास से करीब 8.64 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया। साथ ही मामले में प्रयुक्त कारोबारी के बाइक को भी जब्त कर लिया गया है।

जिलाधिकारी व एसपी ने भूमि विवाद समेत अन्य मामलों को लेकर की बैठक

भूमि विवाद से उत्पन्न समस्या को ले सीओ और थानाध्यक्ष पर होगी कार्रवाई: डीएम

- बोले जिलाधिकारी... शनिवार को थानों में जनता दरबार में करें भूमि विवाद के मामलों का समाधान

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के द्वारा संयुक्त रूप से भूमि विवाद, नीलाम, जिला सड़क सुरक्षा समिति, मद्य निषेध, शस्त्र, खनन टास्क फोर्स, लोक सेवाओं का अधिकार, लोक शिकायत निवारण अधिकार की समीक्षा बैठक समाहरणालय सभाकक्ष में की गई।

बैठक में भू-समाधान पोर्टल पर आवेदन की प्रविष्टि एवं निष्पादन की थानावार समीक्षा के क्रम में धनसोई थाना एवं राजपुर थाना की प्रगति असंतोषजनक पाई गई। इस संबंध में जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने सभी अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए भू-समाधान पोर्टल पर प्रविष्टि कर भूमि विवाद के मामलों का निष्पादन करेंगे। साथ ही प्रत्येक शनिवार को अनिवार्य रूप से जनता दरबार का आयोजन करेंगे। इस जनता दरबार में अधिक से अधिक भूमि विवाद से संबंधित मामलों के निष्पादन का प्रयास करेंगे, ताकी भूमि विवाद के मामलों को कम किया जा सकें।

सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है भूमि विवाद का निराकरणः डीएम ने बताया कि भू-समाधान पोर्टल के माध्यम से भूमि विवाद का निराकरण कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। भूमि विवाद से संबंधित कोई भी विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होने पर संबंधित सीओ एवं संबंधित थानाध्यक्ष पर कठोर अनुशासनिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही बक्सर एवं डुमरांव के एसडीएम व एसडीपीओ को सप्ताह में एक दिन एक थाने में उपस्थित रहकर भूमि विवाद का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया।

बड़े बकायेदारों के खिलाफ प्राप्त करें बॉडी वारंटः नीलम पत्र वाद की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर प्रत्येक थाना से बड़े बकायेदारों के विरुद्ध बॉडी वारंट के अनुपालन का निर्देश दिया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को प्रत्येक पखवाड़े बैठक में नीलाम पत्र वादों का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया। वहीं, मई महीने में मोटरवाहन से शमन की गई राशि की समीक्षा के क्रम में सभी प्रवर्तन अवर निरीक्षकों तथा सभी थानाध्यक्षों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत प्रतिशत शमन की राशि वसूलने का निर्देश दिया गया।

एनएच पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटना रोकने के लिए करें प्रयासः जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबंधक एनएचएआई एवं कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल बक्सर को निर्देश दिया कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना वाले जगह पर दुर्घटना रोकने के लिए समुचित प्रबंध करें, ताकी दुर्घटनओं की संख्या कम किया जा सकें।

स्थायी व अस्थाई अतिक्रमण को तत्काल हटाएः समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर तथा डुमरांव को निदेशित किया कि सभी स्थाई या अस्थाई अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई अविलंब करेंगे।

लोक सेवा केंद्र की समीक्षा के क्रम में सभी अंचलाधिकारियों को निर्देश दिया गया के नियमित अनुश्रवण करते हुए ज्यादा से ज्यादा आवेदनों को निष्पादन कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही लोक सेवा केंद्र पर ऑफलाइन आवेदन भी प्राप्त कर उसका समय निष्पादन करेंगे। आईटी प्रबंधक बक्सर को अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया।

जिलाधिकारी ने श्रावणी मेला में ट्रैफिक व्यवस्था दुरूस्त रखने का दिया निर्देशः आगामी सावन माह के दौरान रामरेखा घाट से जल लेकर बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर ब्रह्मपुर तक जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में अप्रत्याशित भीड़ होने की संभावना है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर एवं डुमरांव को निर्देश दिया गया कि सुचारू रूप से यातायात प्रबंधन कराना सुनिश्चित करेंगे। ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। नगरपालिका उप निर्वाचन 2025 के मद्देनजर नगर परिषद बक्सर में दिनांक 28 जून 2025 को मतदान एवं दिनांक 30 जून 2025 को मतगणना निर्धारित है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बक्सर सदर को विधि व्यवस्था संधारण करने का निर्देश दिया गया। मद्य निषेध के समीक्षा के क्रम में अधीक्षक मद्य निषेध बक्सर को अवैध शराब जप्ती हेतु गहन जांच अभियान चलाने व महत्वपूर्ण स्थान जैसे रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं सार्वजनिक स्थलों पर एवं अंतरराज्यीय वाहनों की गहन जांच करने का निर्देश दिया गया।

एक नजर

प्राथमिक विद्यालय बंशी बिगहा में शिक्षिका वंदना कुमारी ने किया योगदान

तिलौथू (रोहतास)। बिहार लोक सेवा आयोग के तहत नियुक्त शिक्षिका वंदना कुमारी का स्थानांतरण मध्य विद्यालय तिउरा, प्रखंड नौहटा से प्राथमिक विद्यालय बंशी बिगहा, प्रखंड तिलौथू में किया गया है। स्थानांतरण उपरांत उन्होंने मंगलवार को अपने नवनियुक्त विद्यालय में विधिवत योगदान किया। शिक्षिका वंदना कुमारी के स्वागत में विद्यालय परिसर का माहौल भावुक व उल्लासमय हो गया। सबसे पहले विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री भूपेन्द्र कुमार ने उनका योगदान स्वीकृत किया। इसके पश्चात बच्चों ने पुष्पमालाओं से उन्हें आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर वंदना कुमारी ने सभी बच्चों के बीच शिक्षण सामग्री–कॉपी, कलम, पेंसिल सहित मिठाई और टॉफी का वितरण कर बच्चों का मनोबल बढ़ाया और शिक्षा के प्रति उत्साह उत्पन्न किया। कार्यक्रम में विद्यालय की शिक्षिका इन्दु कुमारी, विद्यालय शिक्षा समिति की सचिव उर्मिला देवी, अध्यक्ष लखपती देवी सहित समिति उपस्थित रहीं।

भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य बनें डॉ. मनीष रंजन, लोगों ने दी बधाई

बिक्रमगंज। काराकाट विधानसभा क्षेत्र के युवा भाजपा नेता डॉ. मनीष रंजन को नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति का सदस्य बनाया गया है। प्रदेश कार्य समिति सदस्य बनने पर उनके क्षेत्र काराकाट विधानसभा सहित पूरे रोहतास जिले में भाजपा कार्यकताओं खुशी की लहर दौड़ गई। अवसर पर बुधवार को भाजपा कार्यकताओं और आमजन ने डॉ. मनीष रंजन को फूलों का हार पहना बुके भेट कर उनका भव्य स्वागत करते हुए उन्हें मिठाई खिला बधाई दी। जबकि डॉ. मनीष रंजन ने खुशी व्यक्त करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जयसवाल का आभार व्यक्त कर बताया कि यह दिन मेरे जीवन के लिए सबसे बड़ी खुशी की बात है कि मुझे प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य के रूप में बिहार की जनता के बीच जनहित में कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिसके लिए उन्होंने काराकाट विधानसभा क्षेत्र और रोहतास जिला समेत सभी प्रदेश वासियों को तहेदिल से बधाई दी। इस संदर्भ में आपको बता दे कि डॉ. मनीष रंजन ने अपने राजनीति जीवन के पारी का आगाज अपने पिता जवाहर उर्फ सिद्धनाथ सिंह के मार्गदर्शक में किया।

प्रखंड दिनारा में मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर छह पर प्राथमिकी

दिनारा। प्रखंड दिनारा क्षेत्र अंतर्गत गुप्त सुचना के आधार पर कनीय विद्युत अभियंता विकाश कुमार के नेतृत्व में एक जांच दल का गठन किया गया। जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि परिसर में लगे मीटर के सर्विस तार में कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी। दर्ज प्राथमिकी मे पंचायत करंज के पचौली निवासी रिंटू कुमार पर 38502, हरिनारायण सिंह 24182, मनोज सिंह 22078 नारायण मेहता 30355 व पंचायत महरोड़ के मठिया निवासी महेंद्र सिंह 8030 तथा चिंता देवी पर 40696 रुपये जुर्माना लगाया गया। सभी उपभोक्ताओं ने मीटर बाईपास किया था, जिस कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है। वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें ।

आपातकाल में संघ कार्य की कीमत चुकाई थी नेनुआ के बालाजी पाठक ने, करनी पड़ी थी लंबी जेल यात्रा

केटी न्यूज/डुमरांव

देश में आपातकाल के विरोध में जब पूरा लोकतंत्र कुचला जा रहा था, उस कठिन समय में शाहाबाद क्षेत्र से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता, समाजसेवी एवं प्रसिद्ध अधिवक्ता बालाजी पाठक ने न केवल नेतृत्व किया, बल्कि अपने परिवार सहित भारी कीमत भी चुकाई।

डुमरांव प्रखंड के नेनुआ गांव निवासी बालाजी पाठक ने अपनी मजबूत वकालत छोड़ कर आपातकाल विरोधी आंदोलन को धार दी। उनके छोटे भाई परशुराम पाठक और भतीजे महेन्द्र नाथ पाठक ने भी इस आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई। आंदोलन के दौरान प्रशासन द्वारा उनके घर की कुर्की-जब्ती की गई और अंततः तीनों को मीसा के तहत 19 माह की लंबी जेल यात्रा करनी पड़ी। इस दौरान उनका परिवार घोर आर्थिक संकट से गुजरा, लेकिन सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं किया। आपातकाल के बाद रिहाई हुई, लेकिन इसके बाद भी बालाजी पाठक संघ और भाजपा संगठन के प्रति पूरी निष्ठा से समर्पित रहे। उनका आवास वर्षों तक कार्यकताओं, पदाधिकारियों और बड़े नेताओं का केंद्र बना रहा, लेकिन कभी भी उन्होंने संगठन या पार्टी से न तो कोई पद मांगा, न ही पुत्र विंध्याचल पाठक के लिए कोई सिफारिश की। ऐसे निःस्वार्थ और कर्मठ कार्यकर्ता को आज संघ और भाजपा द्वारा भुला दिया जाना अत्यंत दुखद है। हाल ही में बक्सर में आयोजित एक कार्यक्रम में जब आपातकाल के मुद्दे पर वक्तव्य दिए गए, तब भी किसी ने बालाजी पाठक जैसे संघर्षशील और समर्पित योद्धा का स्मरण नहीं किया। यह संघ और पार्टी के लिए आत्ममंथन का विषय है कि जिन लोगों ने अपना सबकुछ संगठन के लिए समर्पित किया, उन्हें आज क्यों भुलाया जा रहा है। आज जब बालाजी पाठक 90 वर्ष की अवस्था में हैं, भले ही शारीरिक रूप से सक्रिय न हों, लेकिन वैचारिक रूप से आज भी संगठन के प्रति उनकी आस्था अडिग है। ऐसे लोगों की सुध लेकर ही युवा पीढ़ी को प्रेरित किया जा सकता है और संगठन को मजबूती दी जा सकती है।

जैन कॉलेज में बीसीए कोर्स में नामांकन के लिए कदाचारमुक्त प्रवेश परीक्षा हुई संपन्न

आरा। हर प्रसाद दास जैन कॉलेज में प्राचार्य डा. नरेंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देशन में महाविद्यालय के बी सी ए कोर्स में नामांकन हेतु कदाचार मुक्त प्रवेश परीक्षा संपन्न करायी गयी। विभाग के 60 सीट के लिए 213 विद्यार्थी के द्वारा आवेदन किया गया। जिसमें 182 विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हुए। सघन जाँच के बाद परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश कराया गया। कदाचार मुक्त परीक्षा सम्पन्न कराने में विभाग समन्वयक डॉ अरुंधती मलिक और शैक्षणिक प्रभारी डॉ आशुतोष पवन का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रथम मेधा सूची का प्रकाशन 30 जून को महाविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। जिसका प्रथम मेधा सूची के आधार पर नामांकन तीन जुलाई से प्रारंभ किया जाएगा।

प्रखंड स्तरीय बीस सूत्री समिति की बैठक में जन समस्याओं पर हुई चर्चा

केटी न्यूज/सासाराम

राजपुर प्रखंड मुख्यालय सभागार में कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन बिहार सरकार के आदेश अनुसार निहित प्रावधानों की आलोक में राजपुर प्रखंड में प्रखंड स्तरीय कार्यान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की उपस्थिति में बैठक आहुत की गई।

बीस सूत्री ने सीओ से आग्रह किया कि राजपुर चौराहा पर हुए अतिक्रमण को हटाने का कार्य किया जाए। वहीं, सदस्यों ने मांग किया कि मुख्य चौराहा पर आए दिन जाम की समस्या से 10 बजे अपराह्न तक जाम की समस्या रहती है। इस समस्या का समाधान हेतु थानाध्यक्ष, सीओ एवं एसडीएम से अनुरोध किया गया। सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों पर अनुरोध किया, जिसमें पंचायत सरकार भवन का निर्माण करना, नाली की सफाई, जल नल सुचारू रूप से संचालन के लिए अंचलधिकारी द्वारा मापी संबंधित रुके कार्यों का निष्पादन करने हेतु एवं दाखिल खारिज की लंबीत समस्या को शीघ्र निष्पादन करने का अनुरोध किया गया। जबकि राजपुर चौक स्थित शौचालय का जो निर्माण हुआ हैजो अभी बंद है उसको सदस्यों द्वारा मांग किया गया कि शौचालय को साफ सुथरा करके उसे सुचारू रूप से खुलवाया जाए। इस कारण महिलाएं को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। बैठक में सदस्यों ने अनुपस्थिति अधिकारी से स्पष्टीकरण की मांग की। बैठक में उपस्थित सदस्य नवनीत राय, रामजीत राय, दीपक गुप्ता, कुंदन सिंह, नवलेंद्र पांडेय, उदय शर्मा, आशा देवी व अन्य मौजूद रहे।

खरपुरा में आयोजित हो रहा रुद्र महायज्ञ, गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा

कलश यात्रा में शामिल हुए सैकड़ों श्रद्धालु

- महायज्ञ के आयोजन के इलाके में प्रवाहित होने लगी है भक्तिरस की अविरल धारा

केटी न्यूज/केसठ

स्थानीय प्रखंड के रामपुर पंचायत अंतर्गत खरपुरा गांव स्थित शिव मंदिर का तीन दिवसीय चौथा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर रूद्र महायज्ञ का आयोजन किया गया है।

बुधवार को इस महायज्ञ का कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाला गया। कलश यात्रा में पीले परिधान में सैकड़ो श्रद्धालु महिला पुरुष शामिल हुए। कलश यात्रा शिव मंदिर से निकली और काली स्थान पहुंची। जहां से वाहन के द्वारा बक्सर रामरेखा घाट के लिए रवाना हुआ। तथा वहां से विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालु कलश में जल भरकर पुनः यज्ञ स्थल पहुंचे। जहां पर विधि विधान के साथ कलश रखा गया। इसके पूर्व यज्ञाचार्य व विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पूरे वैदिक विधान से मुख्य यजमान के कलश का पूजन किया गया। जिसके साथ आगे की प्रक्रिया शुरू हुई। इस रूद्र महायज्ञ के तहत 26 जून गुरुवार को रुद्राभिषेक तथा 27 जून शुक्रवार को पूणार्हुति एवं भंडारा कार्यक्रम संपन्न होगा। जिसके साथ हिं 26 जून गुरुवार से संध्या 6 बजे से 9 बजे रात्रि तक सुश्री किशोरी प्रज्ञा पांडेय द्वारा श्रद्धालु श्रोताओं को कथा का रसपान कराया जाएगा। किशोरी प्रज्ञा पांडेय के मुखारबिंदू से कथामृत का पान करने के लिए अभी से ही श्रद्धालुओं में उत्साह बढ़ गया है। वहीं, महायज्ञ के आयोजन, ध्वनि विस्तारक यंत्रों से बजने वाले वैदिक मंत्रोच्चार व महिलाओं द्वारा गाए जा रहे मांगलिग गीतों से इलाके में भक्तिरस की अविरल धारा प्रवाहित होने लगी है। इस यज्ञ के आयोजन से ग्रामीण श्रद्धालुओं में उत्साह व्याप्त है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में राम बिहारी पांडे गुड्डू पांडे सहित समस्त ग्रामीण का सहयोग बढ़ चढ़कर है। आयोजको द्वारा लोगों से आग्रह किया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

मोहर्रम को ले हुई शांति समिति की बैठक

दिनारा। आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर नटवार थाना परिसर में बुधवार को शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता दिनारा सीओ ने की। इस दौरान नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार, एसआई नरेश यादव, राकेश कुमार, अन्य पुलिस पदाधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि एवं शांति समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित लोगों ने क्षेत्र में भाईचारा, सौहार्द व सामाजिक समरसता बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई।

इस दौरान दिनारा सीओ ने बैठक में उपस्थित सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं गरिमामय ढंग से मनाया जाय। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भड़काऊ सूचना से बचें और ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

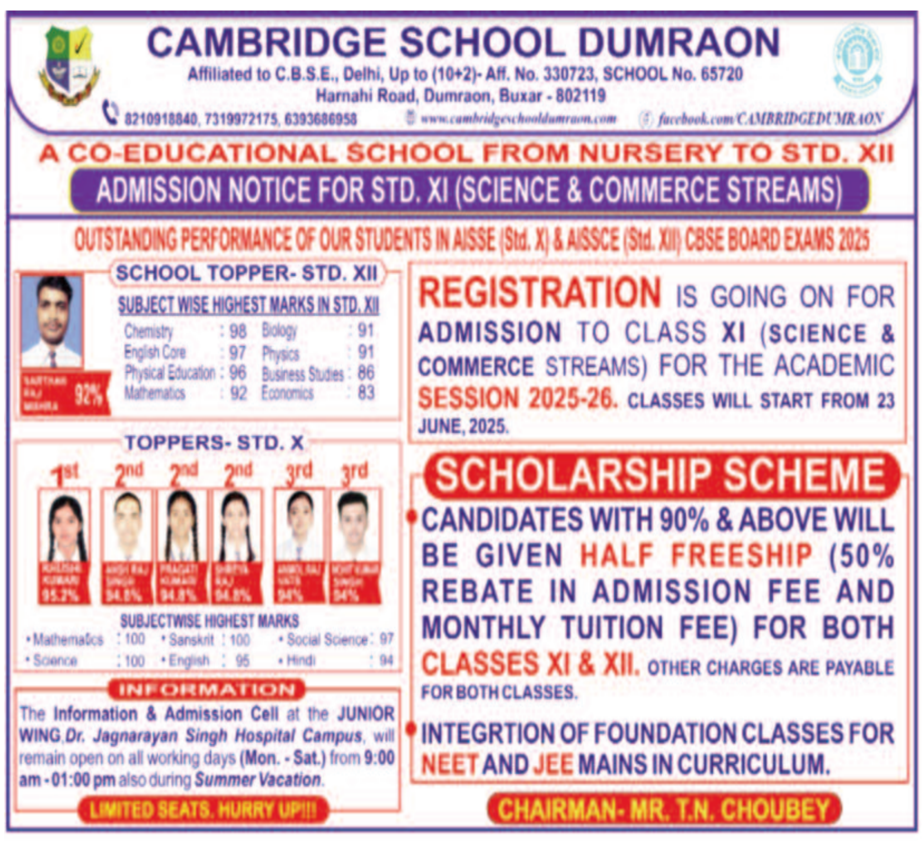

संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग रहें युवा: सम्राट

देश में आपातकाल

केटी न्यूज/पटना

25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक ऐसा दिन है जिसे काला अध्याय कहा जाता है। इस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगा दिया था। इसके 50 साल पूरे होने पर मंगलवार को पूरे देश में संविधान हत्या दिवस 2025 के रूप में कार्यक्रम आयोजित किए गए। राजधानी पटना के अधिवेशन भवन में बिहार सरकार के कला, संस्कृति और युवा विभाग ने एक विशेष कार्यक्रम किया। इसमें बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा शामिल हुए।

विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि 25 जून 1975 लोकतंत्र के लिए सबसे काला दिन था। उन्होंने कहा कि उस समय बिना किसी जुर्म के हजारों लोगों को जेल में डाल दिया गया था, खासकर छात्रों और नौजवानों को। प्रेस पर सेंसरशिप लगा दी गई थी और सरकारी अफसरों को चुप करा दिया गया था। यहां तक कि नागरिकों का बुनियादी अधिकार जीवन का अधिकार भी छीन लिया गया था। उन्होंने कहा कि एक परिवार ने अपनी सत्ता बचाने के लिए लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। उन्होंने नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार से अपराध और अराजकता खत्म की और विकास का रास्ता खोला। वहीं, सम्राट चौधरी ने कहा कि आपातकाल भारतीय संविधान की हत्या थी। उन्होंने बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जो संविधान 26 नवंबर 1949 को दिया था, उसे 25 जून 1975 को कुचल दिया गया। उन्होंने कहा कि भारत ने पूरी दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया, लेकिन सत्ता के लालच में एक पार्टी ने उसे कमजोर करने की कोशिश की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत फिर से ताकतवर बन रहा है। सम्राट चौधरी ने युवाओं से अपील की कि वे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग रहें और देश को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने कहा कि बिहार की धरती हमेशा से लोकतंत्र की जननी रही है। यहीं से जेपी आंदोलन शुरू हुआ था, जिससे संपूर्ण क्रांति की शुरूआत हुई थी। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार की धरती ने भगवान राम को राजा राम से मयार्दा पुरुषोत्तम राम बनाया और संपूर्ण क्रांति को दिशा दी। उन्होंने कहा कि आज वही लोग लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं, जो पहले उसे कुचल चुके हैं। सम्राट चौधरी ने कहा कि आपातकाल का दौर आज के युवाओं के लिए एक सीख है। अगर आज के युवा जागरूक नहीं होंगे, तो फिर से लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है।

पटना में ईडी की बड़ी कार्रवाई... सोन नदी क्षेत्र में 40 से अधिक अवैध बालू भंडारण को किया जब्त

केटी न्यूज/पटना

बिहार में अवैध बालू खनन के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में पटना जिले के मनेर क्षेत्र में आर्थिक अपराध इकाई और खनन विभाग की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सोन नदी क्षेत्र में 40 से अधिक अवैध बालू भंडारण को जब्त किया है। इस मामले में सैकड़ों लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। सूत्रों के मुताबिक, टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि सोन नदी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से बालू की निकासी कर उसका भंडारण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर मनेर थाना क्षेत्र के सुअर मरवा और चौरासी इलाके में स्थानीय पुलिस के सहयोग से छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान आर्थिक अपराध इकाई और जिला खनन पदाधिकारी की देखरेख में 40 से अधिक अवैध बालू के स्टॉक जब्त किए गए। हालांकि, छापेमारी के दौरान बालू माफिया मौके से फरार हो गए।

ईओयू के डीएसपी ने बताया कि बालू माफियाओं की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि बालू माफियाओं के खिलाफ लगातार छापेमारी जारी रहेगी। बता दें कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने बिहार में तीन महीने के लिए नदियों से बालू निकासी पर रोक लगाई है। इसके बावजूद बालू माफिया नियमों को ताक पर रखकर सोन नदी से अवैध तरीके से बालू निकाल कर भारी मात्रा में स्टॉक कर रहे थे। इस बालू को ऊंचे दामों पर बेचने की तैयारी थी।

नीलेश मुखिया हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पकड़ने के प्रयास में मुठभेड़

पटना के मरीन ड्राइव क्षेत्र में पुलिस और अपराधियों के बीच गोलीबारी

- गोलीबारी कर भाग रहे राजा के पैर में पुलिस टीम ने मारी गोली
- गोली लगने से घायल राजा को पुलिस ने कराया अस्पताल में भर्ती

केटी न्यूज/पटना

पटना के मरीन ड्राइव क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मुठभेड़ हुई, जिसमें नीलेश मुखिया हत्या कांड के मुख्य आरोपी मोहम्मद राजा को पकड़ने के प्रयास में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और अपराधियों के बीच गोलीबारी हुई। यह घटना गांधी मैदान थाना क्षेत्र के कमिश्नर ऑफिस के सामने जेपी गंगा पथ के पास हुई।

बताया जा रहा है कि गोलीबारी कर भाग रहे राजा के पैर में पुलिस टीम ने गोली मारी है। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गया। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने घटनास्थल से एक पिस्टल पर जब्त किया है। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और जांच में जुट गए। पटना पुलिस के अनुसार, नीलेश मुखिया हत्याकांड में वांछित आरोपी राजा पुलिस पर फायरिंग कर फागने की कोशिश कर रहा था। उसने पुलिस टीम पर भी गोलीबारी की। आत्मरक्षार्थ पुलिस ने फायरिंग की। इस दौरन एक गोली राजा के पैर में गोली लग गई। राजा हत्या के मामले में वांटेड था और उसकी गिरफ्तारी के लिए एसटीएफ द्वारा कार्रवाई की जा रही थी। इस मुठभेड़ में दो एसटीएफ जवान भी घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हालांकि, एसटीएफ के जवानों को गोली नहीं लगी है।

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें अपराधियों ने पहले भागने के दौरान 3 से 4 राउंड फायरिंग की। इसके जवाब में एसटीएफ ने भी 3 से 4 राउंड फायरिंग की। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में, घटनास्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैब की टीम को बुलाया गया है, ताकि सबूत जुटाए जा सकें। आसपास के कई थानों की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है, जबकि पटना मध्य एसपी सिटी दीक्षा सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि राजा नाम का अपराधी हत्या के केस में वांटेड था। पिछले कई दिनों से पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस उसको पकड़कर पटना ला रही थी। इसी दौरान वह गाड़ी से कूद गया और भागने की कोशिश करने लगा। भागने के दौरान उसने गोलीबारी की। एक गोली मिस फायर हो गई। इसी दौरान एसटीएफ की टीम ने अपने बचाव में गोली चलाई। गोली आरोपी राजा के पैर में लगी है। इस में दो जवान भी घायल हुए हैं। उनका भी इलाज चल रहा है।

बिहटा में युवक का सिरकटा शव बरामद

बिहटा। बिहटा थाना क्षेत्र के आनंदपुर बधार स्थित एक निमार्णाधीन चारदीवारी के पास बुधवार को एक अज्ञात युवक का सिरकटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की हालत काफी सड़ी-गली थी, जिससे अंदेशा जताया जा रहा है कि हत्या कई दिन पहले की गई है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर बिहटा थाना अध्यक्ष शशि कुमार राणा दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

बाढ़ में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, तीन लोग गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पिछले छह महीनों से सक्रिय था। गिरोह के सदस्य बेरोजगार युवाओं को इंश्योरेंस सेक्टर में नौकरी दिलाने का झांसा देकर इंटरव्यू के नाम पर बुलाते थे। इंटरव्यू के दौरान उनसे मोबाइल फोन, एटीएम और क्रेडिट कार्ड ले लेते थे। इसके बाद उनके खातों से पैसे निकाल लिए जाते थे, और यदि खातों में पैसे नहीं होते थे तो उनके नाम पर ऑनलाइन लोन स्वीकृत करवाकर रकम ठग ली जाती थी।

शिकायतों के आधार पर बाढ़ थाने की पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। तकनीकी जांच के बाद पुलिस ने गिरोह के मुख्य सरगना अमित कुमार को नालंदा जिले के शोभा बीघा गांव से गिरफ्तार किया। अमित कुमार की निशानदेही पर गिरोह के दो अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। सहायक पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अधिकतर युवाओं को इंश्योरेंस कंपनियों में नौकरी दिलाने का लालच देते थे। इंटरव्यू के लिए बुलाए गए लोगों के साथ मारपीट कर उनका सामान लूट लेते थे। इन अपराधियों के खिलाफ भदौर, बख्तियारपुर, पंडारक और बाढ़ थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं।

पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि गिरोह का सरगना अमित कुमार किसी निजी कंपनी में 9 लाख रुपए सालाना के पैकेज पर काम करता था। लेकिन उसे ऑनलाइन सट्टा (गेमिंग) की लत लग गई थी। इस लत को पूरा करने के लिए वह अपराध की दुनिया में उतर गया। पुलिस गिरोह के अन्य फरार सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

महिला पर्यवेक्षिका रिश्वत लेती गिरफ्तार

पटना। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में महिला पर्यवेक्षिका राजश्री कुमारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पटना जिला के खुशरूपुर स्थित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी कार्यालय में की गई है। परिवादिनी खुशरूपुर थाना क्षेत्र के गोविन्दपुर निवासी सचिन कुमार की पत्नी मिन्तर कुमारी हैं। वह बैकठपुर पंचायत में आंगनबाड़ी सेविका के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना के कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी थी कि आरोपी महिला पर्यवेक्षिका राजश्री कुमारी के द्वारा क्रय पंजी पर हस्ताक्षर करने के एवज में 3,400/ रिश्वत की मांग की जा रही है। ब्यूरो ने परिवादिनी की शिकायत का सत्यापन कराया, जिसमें सत्यापन के दौरान आरोपी द्वारा रिश्वत मांगे जाने का प्रमाण पाया गया।

पटना के संवाद परिसर में कार्यक्रम का आयोजन

बीपीएससी से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदान किया नियुक्ति पत्र

केटी न्यूज/पटना

चुनावी साल में युवाओं को बड़ा तोहफा देते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को 'संवाद' परिसर में आयोजित समारोह के दौरान बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से चयनित 101 सहायक वास्तुविदों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं और राज्य के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। भवन निर्माण मंत्री जयंत राज ने कहा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कई आईकोनिक भवन बनाए गए हैं जिसमें वास्तुविदों की प्रमुख भूमिका रही है। इन नये वास्तुविदों की नियुक्ति के बाद सरकार की परिकल्पना के अनुसार और भी बेहतर भवनों का निर्माण होगा तथा बिल्डिंग बाइलॉज के अनुसार भवनों के निर्माण में बेहतर अनुश्रवण हो सकेगा।

कार्यक्रम में नवनियुक्त वास्तुविदों में से कुछ जैसे अंकिता प्रसून, नयन दीप, छोटू कुमार, आकाश कुमार, मो. मेहंदी हसन और शालिनी साहा को प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे गए। मंत्री जयंत राज ने बताया कि राज्य में बड़े पैमाने पर हो रहे निर्माण कार्यों के अनुश्रवण के लिए वास्तुविदों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भवन निर्माण विभाग अंतर्गत नए सिरे से वास्तुविद सेवा संवर्ग का गठन किया गया है।

नवनियुक्त वास्तुविदों की सेवा भवन निर्माण विभाग के अतिरिक्त गृह विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग, शिक्षा विभाग, पथ निर्माण विभाग, पर्यटन विभाग, उद्योग विभाग के अंतर्गत निगमों तथा प्राधिकरणों में स्वीकृत पदों के अनुरूप सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि 101 चयनित वास्तुविदों में प्लानिंग में पीजी की योग्यता रखने वाले 31, आपदा जोखिम में विशेषज्ञता रखने वाले 02, अर्बन डिजाइनिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले 02 एवं लैंडस्केपिंग के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले अभ्यर्थियों का चयन हुआ है।

मंत्री अशोक चौधरी बने असिस्टेंट प्रोफेसर

पटना। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, जो नीतीश कुमार के बेहद करीबी और विश्वासपात्र माने जाते हैं, अब शैक्षणिक जगत में कदम रखने की स्थिति में हैं। हाल ही में जारी बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अंतिम चयन सूची में अशोक चौधरी का नाम असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान) पद के लिए सामने आया है। उन्होंने एसटी कोटे से सफलता हासिल की है। बिहार में वर्ष 2020 में असिस्टेंट प्रोफेसर की बहाली प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें राज्य के विवि और डिग्री कॉलेजों के लिए विषयवार रिक्त पदों पर आवेदन मांगे गए थे। चार साल बाद, आयोग ने इंटरव्यू समेत सभी प्रक्रियाओं को पूरा कर अंतिम परिणाम जारी किया है। अशोक चौधरी की उम्र इस समय 58 वर्ष है।

संक्षिप्त समाचार

गोड्डा में विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत: पहाड़ के पास पेड़ से लटका मिला शव

गोड्डा, एजेंसी। गोड्डा जिले के ललमटिया थाना क्षेत्र से एक विवाहिता की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। गोरखपुर पहाड़ के पास 20 वर्षीय पार्वती हेंब्रम का शव एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। पार्वती की शादी वर्ष 2023 में गोरखपुर गांव के रहने वाले प्रकाश मुर्मू से हुई थी। मृतका की मां मयबीटी मरांडी ने बताया कि शादी के बाद से ही पार्वती के साथ ससुराल में झगड़ा और मारपीट की घटनाएं हो रही थीं। बीते पांच महीने से वह अपने मायके में रह रही थी। मां के अनुसार, 10 जून को ससुराल वाले पार्वती को वापस अपने घर ले गए थे। शुरुआत के आठ दिन सबकुछ सामान्य रहा, लेकिन 19 जून की शाम से पार्वती अचानक लापता हो गई। परिवार वालों का आरोप है कि पार्वती के गायब होने की सूचना ससुराल वालों ने पुलिस को नहीं दी। इसके बाद सोमवार की देर शाम पार्वती का शव गोरखपुर पहाड़ में पेड़ से लटका मिला। ललमटिया थाना प्रभारी रौशन कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए गोड्डा सदर अस्पताल भेजा गया है। मौत का असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल, परिजनों की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रकृति की गोद में है गढ़वा का खजूरी जलाशय, पर्यटन की है अपार संभावना

गढ़वा, एजेंसी। जिले की बात की जाय तो इस जिले में आधा दर्जन के करीब डैम बने हुए हैं, जिसमें अन्नराज, पनघटवा और खजूरी जलाशय परियोजना हैं। ये तीन ऐसी परियोजनाएं हैं जो पर्यटन स्थल के हिसाब से अच्छी जगह मानी जाती है। ये तीनों जलाशय मुख्य सड़कों के नजदीक हैं, जिसे लेकर प्रशासन की नजर इन स्थलों पर हमेशा बनी रहती है। देखा जाय तो गढ़वा से दस किलोमीटर की दूरी पर स्थित अन्नराज डैम है जिसे पर्यटन स्थल का रूप दिया जा चुका है। यहां लोग घूमने के लिए दूर-दूर से आते हैं। इस जगह पर बोटिंग की व्यवस्था की गई है, जिसको देखते हुए पर्यटक यहां दूर दराज इलाके से आते हैं और प्रकृति की गोद में बसे इस जगह का आनंद उठाते हैं। इसी तर्ज पर मझिआंव प्रखंड में अवस्थित खजूरी जलाशय को भी प्रशासन पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना चाहती है ताकि एक और पर्यटन स्थल का निर्माण हो सके। खजूरी जलाशय की बात की जाए तो यह भी प्रकृति की गोद में बैठा है। यहां का नजारा देखते ही बनता है, जहां तीन तरफ पहाड़ हैं तो एक तरफ गांव का नजारा देखने को मिलता है। इस स्थल का निरीक्षण जिले के डीसी ने सभी अधिकारियों के साथ किया और कहा कि जिले में पर्यटन के क्षेत्र में विकास जरूरी है चाहे वह फिजिकल हो या इकोनॉमिकल, पर्यटन के विकास में ये दोनों जरूरी हैं। इसलिए पर्यटन विभाग से पैसा मंगाने का प्रयास किया जा रहा है और साथ ही साथ कागजी तैयारी भी की जा रही है।

आजसू का झामुमो पर ओबीसी आरक्षण खत्म करने की साजिश का आरोप

रांची, एजेंसी। आजसू पार्टी ने आरोप लगाया है कि झामुमो पिछड़ा वर्ग विरोधी है। झामुमो ने पंचायत और नगर निकाय चुनावों में ओबीसी का आरक्षण खत्म करने की साजिश रची थी, जिसे आजसू प्रमुख सुदेश महतो ने विफल कर दिया। इससे झामुमो बौखलाहट में बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो तथा वरिष्ठ नेता एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने मंगलवार को संयुक्त रूप से प्रेस वार्ता में ये बातें कही। कहा कि सुदेश महतो ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए हमेशा संघर्ष किया है, जबकि राज्य सरकार की ओबीसी विरोधी नीति के कारण पंचायत और नगर निकाय का चुनाव कई वर्षों से नहीं हो पा रहा है। आजसू की पहल पर ट्रिपल टेस्ट : डॉ. लंबोदर डॉ. लंबोदर महतो ने कहा कि सुदेश महतो ने पंचायत में 10 हजार पदों पर ओबीसी को आरक्षण दिया था, जिसे राज्य सरकार ने एकमुश्त समाप्त कर दिया है। राज्य सरकार ट्रिपल टेस्ट के बिना ही पंचायत और नगर निकाय चुनाव करवाना चाहती थी, ताकि ओबीसी को आरक्षण नहीं देना पड़े। लेकिन, आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी सुप्रीम कोर्ट गए और कोर्ट ने निर्देश दिया तब जाकर यह सरकार ओबीसी के लिए ट्रिपल टेस्ट करवा रही है।

निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण

आजसू चलाएगी नौकरी दो हेमंत सरकार आंदोलन, कहा- बहानेबाजी नहीं चलेगी

रांची, एजेंसी। निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों को 75त्न आरक्षण की मांग को लेकर आजसू पार्टी हेमंत सरकार के खिलाफ अभियान चलाने जा रही है। आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव राजेंद्र मेहता और युवा नेता संजय मेहता ने सोमवार 23 जून को संयुक्त रूप से प्रदेश कार्यालय में मीडियाकर्मियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र में स्थानीय को 75 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने के लिए पार्टी संघर्ष करेगी और आवश्यकता पड़ी तो न्यायालय में भी पहल करेगी। इसके लिए पार्टी द्वारा 9 अगस्त से 14 अगस्त तक 'नौकरी दो हेमंत सरकार' अभियान चलाया जाएगा।

इसके माध्यम से आजसू राज्य सरकार से हिसाब मांगेगी और निजी क्षेत्र के कार्यालयों में ज्ञापन दिया जाएगा। वहीं, पार्टी ने बलिदान दिवस समारोह के आयोजन की सफलता के लिए अपने सभी कार्यकर्ताओं, पंचायत कमेटी के सदस्यों, प्रखंड कमेटी के सदस्यों, सभी जिला अध्यक्षों, केंद्रीय कमेटी के सदस्यों, एक-एक कार्यकर्ताओं और मीडिया का आभार जताया है।

आजसू के मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने कहा कि पार्टी ने बलिदान दिवस के माध्यम से झारखंड के मसलों पर अपने विचारों को रखा है। झारखंड में स्थानीयता, नियोजन, पुनर्वास, नियुक्ति, परीक्षा, परिणाम, नियुक्ति कैलेंडर, ओबीसी आरक्षण, निजी क्षेत्र में आरक्षण, आउटसोर्सिंग में आरक्षण, आउटसोर्सिंग नियुक्ति से सरकारी नियुक्तियों का मारा जाना, पेसा क़ानून, सरना धर्म कोड, जमीन अधिग्रहण, मुआवजा, सीएनटी, एसपीटी, नौकर शाही का निचला स्तर, करप्शन, कंपनियों की मनमानी, झारखंड आंदोलनकारियों के बीच पहचान का संकट, क़ानून व्यवस्था की चिंताजनक स्थिति, मंईयां सम्मान योजना को बिना स्पष्ट कानून और विधिक प्रक्रिया के लागू किए जाने के मसले को पार्टी ने प्रमुखता से उठाया है। इन सवालों पर पार्टी आने वाले समय में मुखरता से संघर्ष करेगी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार जनमुद्दों का समाधान नहीं कर पायी है। राज्य में लगातार हत्या और गोलीबारी की घटनाओं से आम जनमानस में भय व्याप्त हुआ है। स्थानीयता और नियोजन का मसला लटका पड़ा है। ऐसे में आजसू आम जनता की आवाज बनकर संघर्ष को तेज करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार मंईयां सम्मान योजना के साढ़े पांच लाख लाभुकों के नाम काट दी है। यदि वे योग्य नहीं थे तो सरकार ने किस आधार उनका चयन किया था। यदि यह प्रशासनिक भूल थी तो इसके लिए किस नौकरशाह को सजा दी गई। सरकार ने मंईयां सम्मान योजना के चयन और नाम हटाने का कोई आधार नहीं बताया है। इसकी कोई स्पष्ट पॉलिसी नहीं है। आजसू पार्टी सभी मां बहनों के सम्मान में खड़ी है, लेकिन किसी को योग्य लाभुक के तौर पर चयन करना और फिर उनका नाम हटा देना यह मंईयां का अपमान है।

आजसू पार्टी 30 जून को हूल दिवस, 08 अगस्त को निर्मल महतो शहादत दिवस और 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के दिन भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसकी घोषणा करते हुए युवा नेता संजय मेहता ने बताया कि पार्टी 'नौकरी दो हेमंत सरकार' अभियान की शुरुआत करेगी। इसके तहत सरकार से हम नौकरी का हिसाब लेंगे। निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण के लिए सरकार द्वारा लाया गया विधेयक क्यों लागू नहीं हुआ?

सरकार आउटसोर्सिंग क्षेत्र में 75 प्रतिशत आरक्षण के लिए भी विधेयक लेकर आई है, उसका भी अनुपालन क्यों नहीं हो रहा है। सरकार स्थानीय को निजी क्षेत्र में नौकरी की बात कहती है, लेकिन राज्य की स्थानीय नीति कहां है? उन्होंने कहा कि सरकार कानून बनाकर खुद ही अपने लोगों से कोर्ट जाकर कानूनों में पेंच फंसाती है। हक देने के समय बहानेबाजी करती है। बहानेबाजी अब नहीं चलेगी। आजसू अब नौकरी का हिसाब मांगेगी। सरकार ने कितनी नौकरी दी है, उसका आंकड़ा जारी करे। यह आंकड़ा आम जनमानस को भी जानने का अधिकार है।

कोडरमा में सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा जिले के नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा-गिरिडीह मुख्यमार्ग पर सोमवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में 40 वर्षीय बाइक सवार अब्दुल कूदुस की मौत हो गई। हादसा पुरनाडीह बागिया के समीप हुआ। जब कूदुस की बाइक सड़क पर खड़ी एक हाईवा से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे आनन-फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मृतक के परिजनों ने बताया कि सोमवार की देर शाम अब्दुल कूदुस किसी व्यक्ति को ट्रेन पकड़वाने के लिए कोडरमा स्टेशन गए थे। वहां से लौटते वक्त जब वे घोड़थम्भा स्थित अपने घर जा रहे थे, तभी डोमचांच थाना क्षेत्र के पुरनाडीह बगिया में उनकी बाइक सड़क पर खड़ी एक ब्रेकडाउन हाईवा (बीआर 01 जीएम 6508) से टकरा गई। हाईवा के बीच सड़क पर खड़े होने की वजह से हादसा हुआ।

मृतक गिरिडीह जिले के चंडको पंचायत अंतर्गत लतबेध गांव के निवासी थे। वे स्थानीय स्तर पर समाजसेवा से जुड़े हुए थे। उनकी पत्नी लतबेध गांव की उपमुखिया हैं और अब्दुल कूदुस उनके प्रतिनिधि के रूप में काम करते थे। परिजनों ने बताया कि पंचायत के सारे कामकाज वही संभालते थे और लोगों के बीच उनकी अच्छी छवि थी।अब्दुल कूदुस अपने पीछे तीन बेटियां और दो बेटे छोड़ गए हैं। उनकी असमय मौत से पूरे परिवार में कोहराम मचा है। परिजन रो-रो कर बेहाल हैं। गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मृतक के परिवार को उचित मुआवजा और सहायता प्रदान करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर लावारिस हालत में खड़े भारी वाहनों की वजह से इस तरह की घटनाएं आए दिन हो रही हैं। यदि समय रहते ब्रेकडाउन वाहनों को हटाने की व्यवस्था होती, तो शायद यह जान बचाई जा सकती थी। लोगों ने प्रशासन से सड़कों पर खड़े वाहनों पर सख्ती से कार्रवाई की मांग की है।

जलजमाव और रांची ननि की लचर व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी, राष्ट्रीय युवा शक्ति प्रदर्शन

रांची, एजेंसी। राष्ट्रीय युवा शक्ति के सदस्यों ने रांची में बारिश के बाद जलजमाव को लेकर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। दरसअल, रांची में मानसून के आगमन से ही पूरे शहर में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। इसको लेकर उन्होंने आक्रोश जताया।

हर तरफ जलजमाव के साथ साथ नाले का पानी सड़क पर आना, सड़कों पर गड्ढे जैसी स्थिति की वजह से रांची के आम लोगों के जीवन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। राष्ट्रीय युवा शक्ति के नेता उत्तम यादव ने कहा कि मानसून से पहले सभी तैयारियां पूरी कर लेने के रांची नगर निगम के दावे का पोल खुल चुका है। नगर विकास मंत्री और रांची नगर निगम की अक्षमता की वजह से आज राजधानीवासियों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सामाजिक संगठन राष्ट्रीय युवा शक्ति के बैनर तले बड़ी संख्या में युवाओं ने हाथ में बारिश से परेशान रांची की तस्वीर लेकर प्रदर्शन किया। रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर राष्ट्रीय युवा शक्ति के द्वारा विरोध प्रदर्शन और रांची नगर निगम-नगर विकास मंत्री के विरोध में नारेबाजी कर रहे युवाओं ने समस्या के प्रति लोगों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए हाथों में रांची के सड़कों की वास्तविकता का पोस्टर भी लिए हुए थे।

विरोध प्रदर्शन कर रहे राष्ट्रीय युवा शक्ति के उत्तम यादव ने कहा कि आज से आंदोलन की शुरुआत हो चुकी है। कल से राजधानी के जिस एरिया में जन समस्या होगी, उसी क्षेत्र में वहां के लोगों के समर्थन से बड़ा और चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा।

जनता को गुमराह कर रही आजसू पार्टी, आरक्षण पर हेमंत सोरेन की पार्टी ने साफ किया अपना रुख

रांची, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने आजसू पार्टी पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य में ओबीसी आरक्षण 27 फीसदी से घटाकर 14 फीसदी करने में आजसू की भूमिका रही है। एनडीए के सहयोगी के तौर पर आजसू ने हेमंत सरकार की 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण की पहल को कोर्ट में रोक दिया। विनोद पांडेय ने कहा कि आजसू पहले अपना रुख स्पष्ट करे कि वह ओबीसी आरक्षण के पक्ष में है या नहीं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की स्पष्ट नीतियों और संवेदनशील फैसलों ने उन्हें देश का अग्रणी आदिवासी नेता बना दिया है।

उनकी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है। उनसे मुकाबला करने के लिए आजसू को पहले उनकी तरह उदार और संवेदनशील बनना होगा। झामुमो ने आजसू के नौकरी दो नारे को खोखला बताया। उन्होंने पूछा कि आजसू की सरकारों में कितनी नौकरियां दी गईं और कितनी परीक्षाएं ली गईं इसके उलट हेमंत सरकार ने हजारों नियुक्तियां शुरू कीं और पारदर्शिता लाई। आजसू सिर्फ सस्ती लोकप्रियता के लिए शोर मचा रही है।

विधानसभा उपचुनाव परिणाम के बाद इंडिया ब्लॉक में उत्साह, भाजपा ने कहा- इसके नतीजे अलग होते हैं, ज्यादा खुश न हो

रांची, एजेंसी। आज गुजरात की दो और केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल की एक-एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे आने के बाद इंडिया ब्लॉक के दलों में उत्साह है। वहीं, भाजपा के नेता इसे यह कहकर सामान्य रिजल्ट बता रहे हैं कि जहां जिस दल की सरकार है, वहां उस दल के उम्मीदवार की जीत हुई है। कांग्रेस को ज्यादा उत्साहित नहीं होने की सलाह देते हुए झारखंड भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि विधानसभा चुनाव नतीजों की आड़ में कांग्रेस भारतीय सेना के पराक्रम का अपमान कर रही है।

भाजपा के गढ़ और पीएम मोदी-गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य में भाजपा उम्मीदवार की एक विधानसभा सीट पर आम आदमी पार्टी के हाथों मिली करारी हार से कांग्रेस के नेता उत्साहित हैं। झारखंड कांग्रेस के प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय भारतीय सेना पूरे पराक्रम से लड़ रही थी और अचानक अमेरिका के दवाब में जिस तरह से पीएम मोदी ने सीजफायर किया, उससे देश की जनता जान गई कि पीएम मोदी का सीना 56 इंच का नहीं है। सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि पांच विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे बताते हैं कि देश में भाजपा के प्रति जनता में व्यापक आक्रोश है। जनता ने नरेंद्र मोदी के सरेंडर नीति को पसंद नहीं किया, इसलिए नतीजे ऐसे आए हैं।

झारखंड भाजपा के मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने कहा कि उपचुनाव के नतीजे अलग होते हैं। अगर गुजरात में इतनी ही कांग्रेस मजबूत है तो लंबे दिनों से वहां हम सरकार में कैसे हैं। गुजरात में हम एक सीट जीते हैं और दूसरे पर जिस दल की जीत हुई हैं वहां की पार्टी विश्लेषण करेगी कि वहां दल जीता है या उम्मीदवार की वजह से उनकी जीत हुई है। उन्होंने कहा कि एक बात जो काफी दुखद है कि विधानसभा उपचुनाव के नतीजे को ऑपेरशन सिंदूर से जोड़कर कांग्रेस भारतीय सेना के पराक्रम का अपमान कर रही है।

रांची के तमाड़ में डायरिया का प्रकोप! 2 महिलाओं की मौत, 3 को किया गया रिम्स रेफर

खूंटी/रांची, एजेंसी। राजधानी से सटे तमाड़ प्रखंड क्षेत्र के जारगो गांव में डायरिया से दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत की बात कही जा रही है। जबकि तीन लोगों को इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि जारगो पंचायत के डोमोडीह और गांगू गांव पिछले कई सप्ताह से डायरिया से ग्रसित है। हालांकि बीडीओ ने डायरिया से मौत होने की बात से इनकार किया है।

ग्रामीणों की सूचना पर मेडिकल टीम लगातार गांव में कैंप कर लोगों का इलाज कर रही है। 69 वर्षीय कमला देवी और 60 वर्षीय भदरी देवी की मौत हुई है। जबकि डायरिया के लक्षणों से ग्रसित पानीश्वरी देवी, विश्वनाथ महतो और रेखा देवी को गंभीरावस्था में रिम्स भेजा गया है, जहां तीनों का इलाज चल रहा है।

बुंडू क्षेत्र के आजसू नेता राजकिशोर कुशवाहा ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कुंए और तालाबों का पानी दूषित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के लोग वही पानी पीते रहे हैं, जिससे अचानक बीमारियों का प्रसार हुआ। हालांकि सूचना पर बुंडू प्रशासन ने गांव में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया है और पानी का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। बीडीओ के नेतृत्व में मेडिकल टीम भी मौके पर मौजूद है। ग्रसित लोगों का इलाज कर उनका सैंपल लिया गया है, ताकि बीमारी के कारण का पता चल सके।

इधर, बुंडू बीडीओ सावित्री कुमारी ने डायरिया से मौत होने से इंकार किया है।

उन्होंने बताया कि जिन दो महिलाओं की मौत हुई है, दोनों पूर्व से बीमार थीं और उसी बीमारी के कारण उनकी मौत हुई है। हालांकि उन्होंने बताया कि तीन अन्य महिलाओं में डायरिया के लक्षण पाए गए, जिन्हें इलाज के लिए रिम्स रेफर किया गया है। बीडीओ का कहना है कि गांव में वे खुद मेडिकल टीम के साथ जाकर क्षेत्र का निरीक्षण की हैं। मंगलवार को विशेष मेडिकल शिविर लगाया जाएगा और गांव के ग्रामीणों की जांच की जाएगी। इस बीच स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पेयजल स्रोतों की तत्काल सफाई करने, गांव में क्लोरीन की गोलियां, ओआरएस और अन्य जरूरी दवाइयां वितरित करने तथा स्थायी जल शुद्धिकरण व्यवस्था लागू करने की मांग की है।

रांची के इन इलाकों को एक साथ मिला तीन महीने का राशन, अगस्त महीने में वितरण का इंतजार

रांची, एजेंसी। राज्य सरकार की एजेंसियां एक साथ तीन महीने का खाद्यान्न उपलब्ध कराने के मोर्चे पर कहीं न कहीं सफल रही हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून महीने में 93 फीसदी राशन वितरित किया जा चुका है, जबकि जुलाई महीने में 77.73 फीसदी खाद्यान्न लोगों के बीच वितरित किया गया है।

हालांकि, अगस्त महीने के हिस्से में अब तक महज 16 फीसदी खाद्यान्न का वितरण हो सका है। मालूम हो कि खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने घोषणा की थी कि जून महीने में तीन महीने का राशन एक साथ दिया जाएगा। इस घोषणा पर अमल किया जा चुका है। सभी आंकड़े राज्य सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

झारखंड में तीन महीने का राशन उपलब्ध कराने का फैसला बरसात के मौसम को देखते हुए लिया गया। बाढ़ की संभावना को देखते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने यह फैसला लिया। झारखंड के कई इलाकों में जून-जुलाई में बारिश के कारण आवाजाही बंद हो जाती है और इस कारण आम लोगों को राशन नहीं मिल पाता है। इसे देखते हुए तीन महीने का राशन एडवांस में उपलब्ध कराने का फैसला लिया गया।

झारखंड के राशन कार्डधारियों को पिछले चार महीने से नमक, चीनी और किरासन तेल नहीं मिल रहा है। सूत्रों के अनुसार,आम लोग इसकी मांग भी नहीं कर रहे हैं। किरासन की अब जरूरत नहीं रह गई है और चीनी व नमक की गुणवत्ता खराब होने के कारण आम लोग इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। चूंकि इसकी खपत ज्यादा नहीं है, इसलिए लोग ये सभी सामान बाजार से ही खरीदते हैं।

केंद्र सरकार बदली तो एक झटके में बदल दिया जाएगा संशोधित वक्फ कानून : इमरान

रांची, एजेंसी। संशोधित वक्फ कानून के खिलाफ 22 जून को रांची के बरियातू के पहाड़ी मैदान में तहफ्फुज-ए-औकाफ ने कॉन्फ्रेंस की। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की ओर से आयोजित तहफ्फुज-ए-औकाफ कॉन्फ्रेंस में मुख्य वक्ता के रूप में कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की ओर से वक्फ कानून में संशोधन का मकसद हमारी पुरखों की दान की गई जमीन को लूटकर अपने धन्नासेठ मित्रों में बांटना है।

इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि संसद में मौजूद ताकत के बल पर केंद्र सरकार ने पूर्व के वक्फ कानून में संशोधन कर कानून बनवाया है, इसका मकसद यह है कि हमारी इबादतगाह, हमारा खानकाह, हमारा कब्रिस्तान सुरक्षित न रहे। आज हमारे बच्चे बड़े पैमाने पर पढ़ लिखकर डॉक्टर्स, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस बन रहे हैं। ऐसे में बीजेपी और केंद्र सरकार साजिश रच रही है कि हम हमारी कौम इसी में उलझी रहे।

राज्यसभा सांसद ने कहा कि भले ही केंद्र की सरकार ने संख्याबल पर वक्फ का संशोधित कानून पास करा लिया हो लेकिन जिस तरह से लोकसभा और राज्यसभा में सभी विपक्षी दलों के नेताओं ने बहस में भाग लिया और इस संशोधन बिल के खिलाफ वोट किया, वहीं इस देश की खूबसूरती है।

इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल के पक्ष में 288 सांसदों ने वोटिंग की तो 232 वोट इसके खिलाफ में पड़े। ऐसा तब हुआ जब लोकसभा में सिर्फ 24 मुस्लिम सांसद हैं, मतलब यह कि 200 से अधिक गैर मुस्लिम सांसद ने वक्फ कानून में संशोधन के विरोध में वोट दिया। यहीं हमारी गंगा जमुना संस्कृति है जिस पर हमें गर्व है।

कांग्रेस नेता इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि राज्यसभा में भी 188 सांसदों ने वक्फ कानून में संशोधन के पक्ष में वोट दिया तो 95 सांसदों ने खिलाफ में भी वोटिंग की। बीमार रहने के बावजूद वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने सुबह 3 बजे तक राज्यसभा में इसलिए मौजूद रही ताकि वह इस बिल के खिलाफ वोट कर सकें। राज्यसभा सांसद ने पहाड़ी मैदान में उपस्थित जन समूह से कहा कि इनकी साजिशों को समझने की जरूरत है और डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस मुद्दे पर लगातार लोगों के बीच चलाये जा रहे कार्यकर्मों के लिए सराहना करते हुए कहा कि शरीयत के किसी भी मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। बीजेपी की सरकार कब्रिस्तान, इबादतगाह, खानकाह को अपना जागीर बनाना चाहती है, जिसका लगातार विरोध होता रहेगा।

इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि रांची वह धरती है जहां मौलाना अबुल कलाम आजाद ने आजादी की लड़ाई के समय साढ़े तीन साल गुजारे थे। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान मोदी सरकार पर कटाक्ष करते हुए इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि इन लोगों ने कुछ साल पहले एक कानून बनाया था, उसका क्या हुआ 2 हजार दूसरे देश के हिंदुओं ने भारत की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं किया उल्टे 15 हजार लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने कहा कि मोदी सरकार ने तीन किसान कानून भी बनाये थे जिसे मजबूर होकर वापस लेना पड़ा। देश का संविधान आपको इजाजत देता है कि संसद से पास कानून का भी आप लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर सकते थे।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन और राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में जब भी केंद्र में सरकार बदलेगी तब एक झटके में वक्फ संशोधित कानून को बदल दिया जाएगा, इसलिए आप मायूस न हो। इमरान प्रतापगढ़ी ने आगे कहा कि आप मुस्लिम बहनों और पसमांदा की हक और हुक़ूक़ की बात करते हैं, यह कहानी किसी और को सुनाए मोदी जी! क्योंकि हम आपकी हर चाल को समझते हैं।

पर्सनल लॉ बोर्ड आपके भविष्य की लड़ाई लड़ रहा है इसलिए आंदोलन की अलख को जला कर रखिये। अपने संबोधन के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी, मो. इम्तियाज का जिक्र करते हुए इमरान प्रतापगढ़ी ने तंज कसते हुए कहा कि हम सिर्फ पंचर नहीं बनाते। उन्होंने कहा कि इतना जुल्म न कीजिये, हमारे कब्रिस्तान पर बुलडोजर न चलाइये, यह मत समझना कि हम डराने से डर जायेंगे।

सुभाषितम्

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है मुझे संतुष्टि देता है। - जवाहर लाल नेहरु

57 देशों की भारत-विरोधी लामबंदी

सांसदों के प्रतिनिधि मंडल और ऑपरेशन सिंदूर सवालों के घेरे में 57 इस्लामिक देशों के संगठन ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) की हालिया बैठक में भारत के खिलाफ सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव पारित किया गया है।जिसमें भारत की विदेश नीति और ऑपरेशन सिंदूर के निर्णयों को कठघरे में खड़ा किया गया हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री जयशंकर के विदेशी दौरे और विदेश नीति के साथ-साथ, 51 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के बाद विभिन्न देशों में गया था। बहुचर्चित ऑपरेशन सिंदूर की साख पर भी ओआईसी के प्रस्ताव से तगडा झटका लगा है। 51 सांसदों को विदेशों में भारत का पक्ष रखने भेजा था। पाकिस्तान के दुष्प्रचार की असलियत बताने और भारत का पक्ष रखकर कूटनीतिक समर्थन जुटाने सरकार ने सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों का विभिन्न देशों में भेजा था।इन सारे प्रयासों की हकीकत यह है, जिन देशों में यह डेलिगेशन गये थे, उन्हीं देशों ने भारत के खिलाफ पारित प्रस्ताव पर दस्तखत किए हैं। कुवैत, सऊदी अरब, यूएई, बहरीन, मलेशिया, कतर, इंडोनेशिया, मिस्त्र, अल्जीरिया, गुयाना और सिएरा लियोन सहित 11 देशों ने भारत का पक्ष नहीं लिया उल्टे विरोध किया है। ओआईसी संगठन ने कश्मीर और सिंधु जल संधि जैसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले प्रस्ताव पर पाकिस्तान के पक्ष में समर्थन दिया है। जो भारत सरकार की विफल विदेश नीति को दशार्ता है।

यह केवल कूटनीतिक विफलता नहीं, बल्कि भारत के लिये एक शर्मनाक स्थिति है। करोड़ों करदाताओं के टैक्स में जमा सरकारी धन के खर्चे पर सांसदों के प्रतिनिधि मंडलों को विदेशों मे भेजा गया था। जिन देशों में यह प्रतिनिधिमंडल गए थे। वहां पर इसका कोई व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। सरकारी मंच और मीडिया के माध्यम से जनता के बीच जरुर यह भ्रम फैलाया गया। भारत सरकार की यह कोशिशें बड़ी सफल रहीं है। सांसदों के प्रतिनिधि मंडल ने सभी देशों में जाकर भारत का पक्ष अच्छी तरह से रखा है। यह प्रचारित किया गया, सांसदों के प्रतिनिधिमंडल की यात्राओं ने भारत का डंका दुनिया के कई देशों में बजाया है। भारत के सामने पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है। भारत को हर देश से समर्थन मिला है। ओआईसी के पारित प्रस्तावों ने यह सिद्ध कर दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। भारत सरकार की तमाम कोशिशें एवं प्रचार-प्रसार मीडिया तक सीमित हैं। जमीनी स्तर पर उसका प्रभाव देखने को नहीं मिला।

प्रधानमंत्री मोदी की 150 विदेश यात्राएँ, जयशंकर की विदेश मंत्री के रूप में सक्रियता भारत की कूटनीति और सांसदों के ह्लडिप्लोमेसी टूरह्व मैं जो बताया गया था, ठीक उसके विपरीत वर्तमान स्थिति है। भारत की इस फजीहत का क्या कारण है। वर्तमान स्थिति में देश के नागरिकों के मन में तीव्र जिज्ञासा है, जनता जानना चाहती हैं। क्या विदेश यात्राएँ राष्ट्रीय हित के लिए थीं। क्या इस तरह की विदेश यात्राएं राजनीतिक और व्यक्तिगत फायदे के लिये होती हैं।

देश को वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरकार की आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। किसी भी राष्ट्र के साथ अपने संबंधों को बनाना, कूटनीति के साथ रिश्तों को राष्ट्रीय हित में बेहतर स्थिति में ले जाना, यह वास्तविक कार्य प्रणाली से ही संभव है। इवेंट मैनेजमेंट के जरिए रिश्तों का कोई फायदा नहीं होता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह स्पष्ट हो गया है। भारत को ह्लविश्व गुरुह्व के मुखौटे से बाहर निकलना होगा। हम 140 करोड़ की आबादी वाले देश हैं। इससे भी हमें बाहर निकालने की जरूरत है। रिश्ते दो पक्षों के बीच में बनते हैं। दोनों पक्ष एक दूसरे की आवश्यकता जरूरत और संबंधों के आधार पर रिश्ते प्रगाण होते हैं। नए वैश्विक समीकरणों को देखते हुए भारत को राष्ट्रीय हितों, कारोबार की नीतियों तथा संबंधों की स्पष्टता को ध्यान में रखते हुए विदेश नीति बनानी होगी। तभी दुनिया भारत के ऊपर विश्वास करेगी। घरेलू राजनीति एवं वैश्विक राजनीति के अलग आधार होते हैं। घरेलू राजनीति को ध्यान में रखते हुए वैश्विक इवेंट कुछ समय के लिये घरेलू राजनीति में सत्ता पक्ष के लिये फायदेमंद हो सकते हैं। राजनैतिक हल्कों में कहा जा रहा है कि संसद का विशेष सत्र ना बुलाना पड़े इसके लिये 51 सांसदों को डेलीगेशन के रुप में विदेश भेजा गया था। इसमें सभी दलों के सांसद थे। जब भी संसद में चर्चा होगी यही सांसद सदन में सरकार के समर्थन में खड़े होंगे।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी। तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था। तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

चिंता का सबब बनता युवा सोच पर नशे का ग्रहण

- योगेश कुमार गोयल

विश्व के अनेक देशों में लोगों में और खासकर युवाओं में नशीले पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के लिए ही हर साल 26 जून को ह्यअंतर्राष्ट्रीय नशा एवं मादक पदार्थ निषेध दिवसह्न मनाया जाता है। जहां तक भारत की बात है, चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। वास्तव में मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या ऐसे ही अन्य मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। वर्ष 1993 में प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक ह्यमौत को खुला निमंत्रणह्न में मैंने विस्तार से बताया है बताया है कि कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है। देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

अब गौ -पालकों को भी भा रहे मोहन, नई लकीर खींच रहे मोहन

-हर्षवर्धन पान्डे

मध्यप्रदेश में गौ- संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। गौ- संरक्षण के क्षेत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जमीनी समर्पण निरंतर दिखाई देता है।डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार ने गौ-शालाओं की संख्या में वृद्धि की और साथ ही उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया। इन गौ-शालाओं में न केवल गायों की देखभाल होती है बल्कि इनका उचित आहार, चिकित्सा और सुरक्षा की भी व्यवस्था की गई है। डॉ. यादव ने राज्य में गौ-शालाओं की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ इनकी स्थिति में सुधार भी किया है। वर्ष 2024 को गौ-संरक्षण और संवर्धन वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लेकर सरकार ने इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट की है। गौ-संवर्धन के विकास व संरक्षण के लिए वर्ष 2024-25 के लिए 590 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इस वर्ष मुख्यमंत्री सहकारी दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के लिए बजट में 150 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने गौ- संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए विभिन्न अभियान चलाए हैं। इन अभियानों के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें किसानों और ग्रामीणों को गौ-पालन के लाभ और गौ- संरक्षण के महत्व के बारे में बताया गया। प्रदेश में गौचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए तेजी से अभियान चलाया जा रहा है। गायों को सड़कों पर भटकने से रोकने के लिए प्रदेश में कई पायलट प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं जिससे सड़क के किनारे बेजा तरीके से छोड़ी गई गायों की जिंदगी संवरी है। प्रदेश में बंजर जमीनों पर गौ-शालाओं के निर्माण की दिशा में सरकार तेजी से कदम बढ़ा रही है जिससे गायों के लिए सुरक्षित आशियाना बन रहा है।गौ-वंश वध प्रतिषेध संशोधित कानून 2024 के तहत गौ- तस्करी पर मोहन सरकार ने कड़ा रुख अपनाया गया है। इस कानून के तहत दोषियों को सात साल की सजा का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए कलेक्टर कोर्ट में पेशी अनिवार्य है। यह कानून गौ- तस्करों पर नकेल कसने में प्रभावी सिद्ध हुआ है।गौ-वंश की सुरक्षा के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया जिसने विशेष अभियान चलाकर गौ संरक्षण को प्रदेश में काफी सशक्त किया है। प्रदेश में 10 या अधिक गायों का पालन करने वाले गौपालकों को विशेष अनुदान और क्रेडिट कार्ड सुविधा प्रदान की जा रही है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए दूध पर बोनस देने की योजना भी प्रदेश में शुरू की गई है। इसके तहत दुग्ध संकलन पर 5 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना में गाय के पालन के लिए अनुदान दिया जा रहा है। डॉ. भीमराव अंबेडकर दुग्ध उत्पादन योजना के तहत 25 गाय या भैंस पालने वालों को 25% अनुदान दिया जा रहा है। राज्य सरकार गौ सेवा के क्षेत्र में गोपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थागत एवं व्यक्तिगत पुरस्कार दे रही है।गौशालाओं में दी जाने वाली आहार राशि को 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये किया गया। 2024-25 में इस योजना का बजट 250 करोड़ रुपये तय किया गया है। 10 से अधिक गाय पालने वाले किसानों को विशेष अनुदान दिया जाएगा।प्रदेश में गायों के संवर्धन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि गायें सर्वश्रेष्ठ हैं और उनके संवर्धन से किसानों और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। भोपाल के बरखेड़ी डोब में 25 एकड़ भूमि पर 10 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश की पहली हाई-टेक गौ-शाला का निर्माण शुरू किया गया है जिसमें 10,000 गायों को रखने की व्यवस्था होगी। प्रदेश में नौ गौ- अभ्यारण्यों की स्थापना की विशेष कार्ययोजना पर कार्य प्रगति पर है जहां आवारा, वृद्ध, और अपाहिज गायों की देखभाल की जाएगी। भोपाल के बरखेड़ी-डोब में 10 हजार गौ-वंश क्षमता वाली हाइटेक गौ-शाला बनाई जा रही है, जिसका मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा भूमि-पूजन किया गया। प्रदेश में बड़ी संख्या में गौ-शालाएं बनाई जा रही है और चरनोई की भूमि से अतिक्रमण हटाए जा रहे है। प्रदेश में संचालित 2500 गौ-शालाओं में 4 लाख से अधिक गौ-वंश का पालन किया जा रहा है। आचार्य विद्यासागर गौ संवर्धन योजना के तहत गौपालन के लिए 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे युवाओं को पशुपालन व्यवसाय से जोड़ा जा रहा है। प्रत्येक ब्लॉक में एक वृंदावन ग्राम स्थापित करने की भी मोहन सरकार की योजना है जो दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देगी। गौ-पालन को आर्थिक समृद्धि से जोड़ा जा रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और पशुपालकों की आय में वृद्धि हो रही है।आचार्य श्री योजना से न्यूनतम 1 एकड़ जमीन और 5 पशु रखने वाले किसानों को योजना का लाभ मिलेगा। अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण मिलेगा, जिसमें 75% बैंक से सहयोग होगा। ग्वालियर में देश का पहला 100 टन क्षमता वाला सीएनजी प्लांट स्थापित किया गया है जो गौशालाओं में गोबर का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है। गौ-शालाओं में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है जिससे बिजली खर्च कम होगा और गौ-शालाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। मार्गों पर दुर्घटनाग्रस्त गायों के लिए हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहनों की व्यवस्था शुरू की गई है, जो गौवंश को निकटतम गौ-शालाओं तक पहुंचाने में सहायक है। सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाली गायों को गौ-शालाओं में सुरक्षित स्थान दिया जाएगा।मध्यप्रदेश देश में दुग्ध उत्पादन में तीसरे स्थान पर है जहां प्रतिदिन 591 लाख किलोग्राम दूध का उत्पादन होता है। प्रति व्यक्ति दुग्ध उपलब्धता 644 ग्राम प्रतिदिन है जो राष्ट्रीय औसत 459 ग्राम से कहीं अधिक है।अगले पांच वर्षों में दुग्ध उत्पादन को 20% तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए दुग्ध संघों और सहकारी समितियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गौ- पालन को ग्रामीण विकास के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने गायों से प्राप्त दूध, गोबर और गौमूत्र के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में पर्याप्त जोर दिया है। इससे न केवल गौ पालक आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं बल्कि ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर भी मिल रहे हैं। जैविक कृषि की दिशा में डॉ. मोहन यादव ने कई योजनाओं की शुरूआत की है जिससे प्रदेश के किसान रासायनिक उर्वरकों के बजाय जैविक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ बीते वर्ष हुए करार के माध्यम से दुग्ध उत्पादन को तेजी से बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में गौ -माता के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए कई धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों का आयोजन किया जिसमें आमजन ने बढ़ चढ़कर भागीदारी की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव अक्सर गायों को चारा खिलाते नजर आए हैं।

आखिर कब तक बम की शरण में रहेंगे

- संजय गोस्वामी

अब अमेरिका भी ईरान और इजरायल के बीच टकराव की आग में खुलकर कूद पड़ा है। अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों - फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर इतिहास का सबसे सफल सैन्य हमला किया। नॉर्थ्रॉप बी-2 स्पिरिट, जिसे स्टील्थ बॉम्बर के नाम से भी जाना जाता है, अमेरिकी भारी बमवर्षक इ-2 है जिसमें स्टील्थ तकनीक है जिसे बंकर को भेदने के लिए डिजाइन किया गया। बंकर एक रक्षात्मक सैन्य किला है जिसे लोगों सामग्रियों को गिरने वाले बमों, तोपखाने या अन्य हमलों से बचाने के लिए डिजाइन किया जाता है। बी-2 बमवर्षक विमानों ने 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी, 7000 मील से अधिक की दूरी तय कीः अमेरिका ने ईरान की रूसी वायु रक्षा मिसाइलों को मात देकर उसके परमाणु स्थलों पर हमला किया ड्ड बंकर कंक्रीट के ढांचे होते हैं, जिन्हें आंशिक रूप से जमीन में खोदा जाता है चालक दल के दो लोगों के साथ एक सबसोनिक फ्लाइंग विंग, विमान को उड़ाते हैं इसे नॉर्थ्रॉप (बाद में नॉर्थ्रॉप ग्रुम्मन) द्वारा डिजाइन किया गया था, जिसमें बोइंग, ह्यूजेस और वॉट प्रमुख भागीदार थे, और इसका उत्पादन 1988 से 2000 तक किया गया था। बमवर्षक पारंपरिक और थर्मोन्यूक्लियर हथियार गिरा सकता है, जैसे अस्सी 500 पाउंड (230 किलोग्राम) एमके 82 जेडीएएम जीपीएस-निर्देशित बम, या सोलह 2,400 पाउंड (1,100 किलोग्राम) बी-2 स्पिरिट बम जो 2016 में प्रशांत महासागर के ऊपर उड़ते पाए गए थे। कार्टर प्रशासन के दौरान एडवांस्ड टेक्नोलॉजी बॉम्बर (अळइ) परियोजना के तहत विकास शुरू हुआ, जिसने मैक-2-सक्षम इ-1अ बॉम्बर को आंशिक रूप से रद्द कर दिया क्योंकि अळइ ने वादा दिखाया, लेकिन विकास संबंधी कठिनाइयों ने प्रगति में देरी की और लागत बढ़ा दी। अंततः, कार्यक्रम ने विकास, इंजीनियरिंग, परीक्षण, उत्पादन और खरीद सहित प्रत्येक \$2.13 बिलियन (2024 में \$4.17 बिलियन) की औसत लागत पर 21 इ-2 का उत्पादन किया। प्रत्येक विमान के निर्माण में औसतन वर\$737 मिलियन की लागत आई, जबकि कुल खरीद लागत 2023 में औसतन प्रति विमान \$929 मिलियन थी परिणामस्वरूप, 1980 और 1990 के दशक के अंत में सांसदों ने 132 बमवर्षकों की योजनाबद्ध खरीद को घटाकर 21 कर दिया। इसमें बिना ईंधन भरे 6,000 समुद्री मील (11,000 किमी; 6,900 मील) से अधिक की सीमा है और एक बार हवा में ईंधन भरने पर यह 10,000 समुद्री मील (19,000 किमी; 12,000 मील) से अधिक उड़ान भर सकता है। यह 1997 में लॉकहीड एफ-117 नाइटहॉक हमले के विमान के बाद उन्नत स्टील्थ तकनीक के साथ डिजाइन किए गए दूसरे विमान के रूप में सेवा में आया था। मुख्य रूप से एक परमाणु बमवर्षक के रूप में डिजाइन किए गए बी-2 का पहली बार 1999 में कोसोवो युद्ध में पारंपरिक, गैर-परमाणु आयुध गिराने के लिए इस्तेमाल किया गया था एक 2008 की दुर्घटना में नष्ट हो गया और दूसरा 2022 की दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हो गया, संभावित मरम्मत की लागत और अवधि के कारण सेवा से सेवानिवृत्त हो गया। वायु सेना ने 2032 तक बी-2 को संचालित करने की योजना बनाई ये सारी खबरें खबरों के हिसाब से सही नहीं लगती हैं। जानकारी के अभाव में ऐसा दिखाया जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष — कार्यक्षेत्र में आपकी भूमिका में बदलाव संभव है। नौकरी में हैं तो जिम्मेदारियां की संभावना बन रही है।

तुला — आज योजनाएं सफल होंगी। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए दिन लाभप्रद है।

वृषभ — लेनदेन को लेकर परिवार के लोगों के साथ चल रहे झगड़े को सुलझाने के लिए अनुकूल दिन है।

वृश्चिक — आज दिन शुभ है। धन, यश और सम्मान में वृद्धि होगी। आप कोई नया निवेश कर सकते हैं।

मिथुन — आज दिन भाग्यशाली है। नौकरीपेशा लोगों को उच्च अधिकारियों से मान्यता मिल सकती है।

धनु — आज दिन करियर के मामले में लाभ से भरा होगा। घरेलू जरूरतों पर खर्च बढ़ेगा।

कर्क — आपके लिए धन आगमन के विशेष योग बने हैं। अचानक किसी बकाया राशि की प्राप्ति संभव है।

मकर — आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और किसी पूर्व प्रयास का लाभ मिलेगा।

सिंह — आज लाभ के योग बने हैं। राजनीति या प्रशासन से जुड़े लोग विशेष लाभ में रहेंगे।

कुंभ — आज दिन तरक?की से भरा होगा। कोई कानूनी या संपत्ति से जुड़ा कार्य अचानक उभर सकता है।

कन्या — आज धन लाभ होगा। व्यवसाय में आपके प्रयासों का प्रतिफल मिलेगा, लाभांश में वृद्धि होगी।

मीन — मन काफी सकारात्मक रहेगा। बिजनस में तेजी से हो रही प्रगति आपको आत्मविश्वास से भर देगी।

विशेष

जस्टिस वर्मा सरकार के लिए बलि का बकरा?

3 जजों की कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है। रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत के आधार पर अब जस्टिस वर्मा का बचना नामुमकिन है। 10 गवाहों ने अपने चश्मदीद बयान दिए हैं। जिसमें उन्होंने कहा है,उन्होंने नोटों की जलती हुई गड्डियां देखीं हैं। इलेक्ट्रॉनिक और फोरेंसिक सबूतों का उल्लेख भी तीन जजों की रिपोर्ट में है। घटनास्थल के जले हुए नोटों के वीडियो फुटेज भी हैं। फायर ब्रिगेड और पुलिस के लोगों के बयान है। सरकार चाहती है, जस्टिस वर्मा इस्तीफा दें,या उन्हें महाभियोग के माध्यम से हटाया जाएगा।

ओर लो राजा, आ गए उप चुनाव के परिणाम

देश के चार राज्यों के पांच विधानसभा उप चुनाव के परिणाम आ गए हैं। पश्चिम बंगाल की विधानसभा सीट टीएमसी ने जीती है। पंजाब की लुधियान वेस्ट सीट पर आम आदमी पार्टी की विजय हुई है। केरल की सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार ने चुनाव जीता है। गुजरात की दो सीटों पर चुनाव था। एक सीट पर भाजपा और एक सीट पर आम आदमी पार्टी की विजय हुई है। गुजरात में त्रिकोणी मुकाबला हुआ। जिसमें भाजपा और आम आदमी पार्टी की बल्ले बल्ले हुई। बाकी सभी जगह लगभग लगभग सीधा-सीधा मुकाबला था। उपचुनाव के परिणाम को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही थी। इस उपचुनाव ने सभी पार्टियों की झोली भर दी है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता का इससे बड़ा कोई उदाहरण नहीं हो सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1539 बक्सर के पास चौसा की लड़ाई में शेरशाह ने हुमायूं को पराजित किया. 1794 आस्ट्रियाई फौजों को फ्रांसिसियों ने शिकस्त दी जिससे वे बेल्जियम पर कब्जा नहीं कर पाए. 1843 हांगकांग ब्रिटिश उपनिवेश बना. 1858 चीन ने एक संधि के तहत ब्रिटेन को व्यापार के अधिकार दिए. 1900 पहली ग्रांप्रो मोटर दौड़ ला मैन्स फ्रांस में आयोजित की गयी. 1945 राष्ट्रसंघ घोषणापत्र पर 50 देशों ने हस्ताक्षर किए. 1960 मेडागास्कर फ्रांस से स्वतंत्र हुआ. 1960 ब्रिटिश सोमाली लैंड स्वतंत्र हुआ. 1970 अलेक्जेंडर डुबचेक चेकोस्लोवाक कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिए गए. 1976 इंडोनेशिया के इरियन जावा में भूकंप से हजारों लोग मारे गए. 1980 बंगाल की खाड़ी में तेल मिला. 1982 एयर इंडिया का पहला बोइंग गौरीशंकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ.

दैनिक पंचांग

26 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.48 बजे से
चंद्र	मिथुन में	सिंह	09.04 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	11.16 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	13.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	15.42 ब.से
शुक्र	मेष में	धनु	17.58 बजे से
शनि	मीन में	मकर	20.03 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.49 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	23.22 बजे से
राहुकाल		मेष	00.53 बजे से
1.30 से 3.00		वृष	02.33 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.31 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 177 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 08.47 बजे को समाप्त। **योग** ध्रुव 23.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 21' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872387 **जूलियन दिन** 2460852.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन, गुप्त नवरात्रि प्रारंभ।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हॉबी के मुताबिक चुनें कोर्स

अगर आप बेहतर कल का सपना देखते हैं, तो आपको अपनी च्वाइस को देखते हुए कोर्स को चुनना होगा। विशेषज्ञों के अनुसार सफल होने के लिए जरूरी है कि आप अपनी हॉबी के मुताबिक कोर्स चुनें और उसे पूरा करने के लिए कठिन मेहनत भी करें।

आज करियर के फैलते दायरे में मेडिकल, इंजीनियरिंग जैसे मेन स्ट्रीम करियर के अलावा भी ऐसे कई ऑफ बीट करियर लोकप्रिय हो रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप करियर बुलंद कर सकते हैं। इस तरह के करियर की खास बात यह होती है कि इन कोर्सों के जरिए आप बचपन के किसी स्किल्स, पैशन, हॉबी को भी करियर बना सकते हैं।

प्रोफेशनल ब्लॉगर

सोशल नेटवर्किंग इरा में हर कोई ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ना चाहता है, जिसमें ब्लॉग राइटिंग कम्यूनिकेशन बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण जरिया बनकर उभर रहा है। यह फील्ड उन युवाओं के लिए भी अहम है, जिन्हें लिखना पसंद है। आप इसे पार्टटाइम जॉब के रूप में भी ले सकते हैं। अगर कम्यूनिकेशन स्किल्स अच्छी हैं, तो आप घर बैठे ही कमाई कर सकते हैं।

स्कूबा डाइविंग

आज ऐसे यूथ की बिल्कुल कमी नहीं है, जिन्हें जोखिम भरे कामों में करियर का लुत्फ आता है। ऐसे यंगस्टर्स के लिए स्कूबा डाइविंग बेहतर ऑप्शन है। स्कूबा डाइवर्स/अंडरवॉटर डाइवर्स समुद्र में गोता लगाकर ओसिनोग्राफिंग, रिसर्च या फिर रेस्क्यू ऑपरेशंस को अंजाम देते हैं।

गिफ्ट रैपर

तेजी से बदलती इकोनॉमी ने लाइफस्टाइल में भी चेंज ला दिया है। गिफ्ट देना भी इसी ट्रेंड का हिस्सा है। आज यहां बडी तादाद में उन लोगों की जरूरत है जो आकर्षक ढंग से गिफ्ट पैक कर सकते हों। बडे-बडे ऑफिसों, कॉरपोरेट हाउसेज में ऐसे लोगों के लिए काफी गुंजाइशें हैं। इसकी सबसे बडी खासियत ये है कि आप इसे पार्ट टाइम या फुल टाइम जॉब के रूप में भी कर सकते हैं। यह एक ऐसा फील्ड है जिसका विस्तार तेजी से छोटे शहरों की ओर भी हो रहा है। ऐसे में इस फील्ड में अनेक अवसर आपके लिए मौजूद हैं।

चॉकलेटियर

चॉकलेट के सिर चढ़ते स्वाद के बीच चॉकलेट आर्टिस्ट के पेशे को खासी तवज्जो मिल रही है। ये आर्टिस्ट ही चॉकलेटियर कहे जाते हैं। चॉकलेट कंपनियों में इन चॉकलेटियर्स की खूब मांग है। आप चाहें तो चॉकलेट बुटीक/चॉकलेट पार्लर खोलकर स्वरोजगार की राह भी तलाश सकते हैं।

माइक्रो फाइनेंस के क्षेत्र में बनाएं करियर

बैंकिंग और फाइनेंस या फिर माइक्रो फाइनेंस सेक्टर में करियर बनाने के लिए अभ्यर्थी का किसी भी संस्थान से डिप्लोमा या पीजी डिप्लोमा कोर्स करना जरूरी है। पीजी डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस और एडवांस डिप्लोमा इन बैंकिंग एंड फाइनेंस कोर्स करके बैंकिंग व फाइनेंस सेक्टर में जॉब तलाश सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स के लिए 12वीं में 50 प्रतिशत अंक से पास व ग्रेजुएशन कोर्स के लिए किसी विषय में 50 प्रतिशत अंक से उत्तीर्ण जरूरी है।

नए रास्ते

जैसे-जैसे भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत होती जा रही है, वैसे-वैसे माइक्रो फाइनेंस सेक्टर में भी कैरियर की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत जल्द ही विकास दर के मामले में चीन को पछाड़ देगी। इससे जुड़ा एक क्षेत्र बहुत तेजी से भारतीय अर्थव्यवस्था में अवसरों की बहार लेकर आ रहा है, वह सेक्टर है माइक्रो फाइनेंस।

सैलेरी पैकेज

इस क्षेत्र में सैलरी 15-20 हजार रुपए से शुरू होती है। बाद में बेहतर काम से पदोन्नति के रास्ते खुलते हैं। इस सेक्टर की प्रमुख बात यह भी है कि इसमें अनुभव प्राप्त कर लेने के बाद इंश्योरेंस कंपनियां, एनजीओ, बैंकों आदि में भी जॉब मिलने के मौके बनने लगते हैं। इस तरह इस क्षेत्र में काम करने के बाद बैंकिंग के अन्य विकल्पों में भी मौके मिलने लगते हैं।

अवसर

इस क्षेत्र में कई तरह के जॉब्स हैं। भारत में नाबार्ड, सिडबी आदि के अलावा विभिन्न बैंकों द्वारा भी माइक्रो फाइनेंसिंग की सेवाएं दी जाती हैं। कई तरह की माइक्रो फाइनेंस (एमएफआई) ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत हैं जैसे बंधन, एसकेएस, माइक्रो क्रेडिट फाउंडेशन ऑफ इंडिया, साधना माइक्रोफिन सोसायटी आदि। इनमें जॉब के अवसर मिलते रहते हैं।

कैसे मिलेगा प्रवेश

बैंकिंग क्षेत्र में जरूरत इस बात की है कि संबंधित व्यक्ति तुरंत चीजों को समझे और हर तर्क को समझने में पूर्ण तरीके से सक्षम हो।

बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में पीजी डिप्लोमा करने के लिए पहले तो एप्टीट्यूड टेस्ट में पास होना जरूरी है और इसमें निजी रूप से साक्षात्कार भी देना होगा। इसमें मूलत- अंग्रेजी, गणितीय योग्यता, लिखित परीक्षा में रीजनिंग आदि की जांच की जाती है। टेस्ट का मुख्य उद्देश्य छात्रों की बेसिक जानकारी को जांचना होता है। परीक्षा पूर्ण होने के बाद उन्हें इंटर्नशिप, शिक्षा लोन आदि कोर्स के बारे में बताया जाता है।

सफलता पाने अपनाएं ये 5 सूत्र

हर इंसान चाहता है कि वो अपनी लाइफ में कुछ अच्छा कर सके और कुछ बैंक बैलेंस बना सके। लेकिन इंसान सिर्फ सोचता है कुछ करता नहीं और बाद में रोता रहता है कि मेरे पास टाइम नहीं है, मेरी किस्मत साथ नहीं दे रही है वगैरह वगैरह। किसी कार्य को करने के लिए सोचना एक बहुत ही अच्छी बात है लेकिन सिर्फ सोचने से कुछ नहीं होता।

आज दुनिया में जितने भी बड़े लोग हैं वह केवल सोच कर बड़े नहीं बने हैं बल्कि उन्होंने सोचा है और उसे पूरा भी किया है तब जाके आज वे सफल हैं। लेकिन आज की युवा पीढ़ी सिर्फ मौज मस्ती में ही अपना समय व्यतीत करती है। किसी भी कार्य को करने और उसमें सफल होने के लिए लक्ष्य और लगन का होना बहुत जरुरी है।

दृढ़ संकल्प होना बहुत जरुरी

सबसे पहले आप अपना लक्ष्य तय करें कि आप क्या करना चाहते हैं। दृढ़ निश्चय ही आपको सफलता तक ले जाएगी। यदि आप कुछ करने के लिए ठान लेते हैं तो दुनिया का कोई भी इंसान आपको उस कार्य को करने से नहीं रोक सकता। मन में हिम्मत और करने की दृढ़ संकल्प होना बहुत जरुरी है इसके बगैर हम कभी सफल नहीं हो सकते।

असफलता से कभी न डरें

यदि आप कुछ कर रहे हैं तो हो सकता है आप उसमे असफल हो जाएं। अगर आप असफल भी होते हैं तो भी असफलता से कभी न डरें और उस कार्य को लगातार करते रहें। असफलता इंसान की कमियों को बताता है जिसे इंसान सुधार कर फिर से सफल हो सकता है।

आप वही करें जो आपका दिल कहे

जिस काम में आपका रूचि हो आप वही कार्य करें। जबर्दस्ती या फिर अरुचिजनक कार्य करने से आप कभी सफल नहीं हो सकते। आप कभी भी दूसरे की बात न सुने, आप वही करें जो आपका दिल कहता है और जिसमे आपको मजा आता है।

अनुभव का लाभ उठाएं

उन लोगों के साथ अपना टाइम बितायें जिन्होंने अपने लाइफ में कुछ अच्छा करके सफलता के चोटी तक पहुँचे हों। आप उनसे काफी कुछ सीख सकते हैं कि उन्हें सफल होने के लिए किन किन मुसीबतों का सामना करना पड़ा। उनके अनुभव से आपको एक आईडिया मिल जायेगा। जिसका यूज़ करके आप अपने लाइफ को एक अच्छे सफल व्यक्ति के रूप में ढाल सकते हैं।

बुरे लोगों का साथ न करें

जिंदगी में कभी भी बुरे लोगों का साथ न करें। बुरा इंसान वो लत है जैसे शराब या कोई और खराब चीज। बुराई इंसान को कभी आगे नहीं बढ़ने देता। यह सिर्फ और सिर्फ इंसान को बर्बादी के रास्ते पर ही ले जाता है। इसलिए मैं आपसे यही कहूंगा कि आप सिर्फ उन लोगों का साथ करें जो आपको कुछ अच्छा सिखाते हैं।

अचानक जॉब ऑफर मिले तो खुद से पूछें ये सवाल

जॉब का नया ऑफर मिलना सभी को पसंद होता है , और अगर आपने कही अप्लाई भी नहीं किया और अचानक आपको आपके गुडविल की वजह से जॉब ऑफर मिले तो कहना ही क्या

जॉब का नया ऑफर मिलना सभी को पसंद होता है , और अगर आपने कही अप्लाई भी नहीं किया और अचानक आपको आपके गुडविल की वजह से जॉब ऑफर मिले तो कहना ही क्या। यह स्पष्ट तौर पर आपकी मार्किट में डिमांड से सम्बंधित है , यह दर्शाता है की आपको जॉब की कमी नहीं है, पर एक कहावत है मुसीबतें अक्सर खूबसूरत होती है , तो आपको उस अचानक से मिले जॉब ऑफर को स्वीकार करने से पहले खुद से ये साथ सवाल जरूर पूछने चाहिए।

- क्या आपकी मौजूदा कम्पनी में आपकी ग्रोथ की सम्भावनाएं है? आपको ये जरूर चेक करना चाहिए की आपकी मौजूदा कंपनी जहाँ आप काम कर रहे है , वहां आपको प्रमोशन या कोई विशेष जिम्मेदारी तो नहीं मिल रही है। या मिलने की सम्भावना है।
- क्या आप इस जॉब ऑफर के सहारे अपनी मौजूदा कंपनी में ग्रोथ प्राप्त कर सकते हैं? अगर आप अपनी मौजूदा जॉब से खुश है और आपको नए ऑफर में सिर्फ सैलरी ही आकर्षित कर रही है तो , अपने मैनेजर से कूटनीतिक ढंग से बात कीजिये की मुझे एक जॉब ऑफर मिला है और सैलरी पैकेज भी मस्त है तो क्या मुझे उस कंपनी को ज्वाइन करना चाहिए , वैसे मै अपनी जॉब से संतुष्ट हूँ पर फिर भी को चाहिए।
- नए जॉब में जॉब प्रोफाइल क्या रहेगा? आपको नए ऑफर में यह स्पष्ट करना चाहिए की आप वहां ज्वाइन करने बाद क्या काम करेंगे,अगर वहां का जॉब प्रोफाइल आपकी मोजूदा कंपनी जैसा ही है तो फिर जॉब छोड़ने का कोई मतलब नहीं बनता , आपको वहां पर कितनी ग्रोथ मिल सकती है।
- कंपनी की हिस्ट्री चेक करें। किसी भी कंपनी को ज्वाइन करने हिस्ट्री जरूर जाने, की वह कंपनी कितनी पुरानी है, कही वह स्टार्ट अप तो नहीं , क्या उस कंपनी में अफोर्ड करने की क्षमता है। क्योकि बहुत से स्टार्टअप जल्दी बंद हो जाते है।
- आपका सैलरी पैकेज क्या है और उसमें क्या क्या शामिल है। बहुत सी कंपनी अपने एम्प्लोयी को अलग अलग सुविधाएं देती है, जो सैलरी पैकेज का ही हिस्सा होता है, आपको देखना चाहिए की वो लोग किस प्रकार का ऑफर आपको दे रहे है , कहीं उसमे कुछ छिपाया तो नहीं गया है।
- कहीं कंपनी में लोग जल्दी जल्दी जॉब तो नहीं छोड़ रहें। आप जिस पोजीशन के लिए जा रहे है उस पोजीशन पर जो पिछले व्यक्ति काम करता था उसने कंपनी में कितना काम किया, कहीं वह बहुत कम समय में जॉब तो नहीं छोड़ गया? उसके जॉब छोड़ने का क्या कारण था? क्या उस कंपनी में लोग जल्दी जल्दी जॉब तो नहीं बदलते?
- अपने दिल की आवाज को सुनिए। क्या सच में आप जॉब बदलना चाह रहे है, या ये जॉब आपकी झोली में अचानक आ गया , और आप कुछ तथ्यों को नकार तो नहीं रहे , सिर्फ पैसे की ग्रोथ के लिए ऐसा फैसला तो नहीं ले रहे।

भारत-ब्रिटेन के बीच जुलाई के अंत तक व्यापार समझौता होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को कानूनी रूप देने की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। इस पर जुलाई के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। मंगलवार को एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

वाणिज्य सचिव हैं लंदन के दौरे पर – इस प्रक्रिया को गति देने के लिए वाणिज्य सचिव सुनिल बर्थवाल अपनी आधिकारिक टीम के साथ लंदन में हैं। बर्थवाल अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान ब्रिटेन के बिजनेस एंड ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स और अन्य वरिष्ठ ब्रिटिश अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

2030 तक 120 बिलियन डॉलर के व्यापार का लक्ष्य – भारत और यूके ने 6 मई को एफटीए वार्ताओं को औपचारिक रूप से पूरा करने की घोषणा की । इस समझौते के तहत भारत से चमड़ा, जूते और वस्त्र जैसे श्रम–प्रधान उत्पादों के निर्यात पर शुल्क समाप्त हो जाएगा। वहीं ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों का आयात सस्ता होगा। दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच 2030 तक व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर हो जाएगा। विश्व की पांचवीं और छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने तीन वर्षों की वार्ता के बाद इस समझौते को संपन्न किया।

हस्ताक्षर के बाद इसे किया जाएगा सार्वजनिक एफटीए पर हस्ताक्षर के बाद, इसे लागू करने से पहले ब्रिटिश संसद और भारत की केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी लेनी होगी। इसके बाद इसे लागू होने में लगभग एक वर्ष का समय लग सकता है। अधिकारी ने बताया कि एफटीए के कानूनी मसौदे की समीक्षा के लिए भारत की कानूनी टीम भी लंदन में है। समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इसका पूरा पाठ सार्वजनिक किया जाएगा। इससे पहले इसी महीने केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी लंदन में थे और उन्होंने एफटीए के कार्यान्वयन से जुड़े मुद्दों पर जोनाथन रेनॉल्ड्स से चर्चा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर को भारत आने का निमंत्रण दिया है।

बिक रही है जयप्रकाश एसोसिएट्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिवालिया प्रोसेस से गुजर रही कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के 23 जून से बंद है। इसका लास्ट ट्रेडिंग प्राइस 3.23 रुपये है। संकटग्रस्त जेपी समूह की प्रमुख कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स (जेएएल) के अधिग्रहण की दौड़ फाइनल फेज में प्रवेश कर गई है, क्योंकि समाधान योजना प्रस्तुत करने की समय सीमा मंगलवार को समाप्त हो गई। अरबपति कारोबारी गौतम अडानी के समूह, माइनिंग दिग्गज अनिल अग्रवाल की वेदांता और डालमिया भारत सीमेंट ने दिवाला प्रक्रिया के जरिये जयप्रकाश एसोसिएट्स के अधिग्रहण के लिए अपनी समाधान योजना

प्रस्तुत की हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक जेपी इन्फ्राटेक (जिसे मुंबई स्थित सुरक्षा समूह ने अधिग्रहीत किया है) ने भी बोली लगाई है।

क्या है डिटेल– सूत्रों ने कहा कि हालांकि बाबा रामदेव के नेतृत्व वाली पतंजलि आयुर्वेद ने शुरुआत में रुचि दिखाने के बाद समाधान योजना पेश नहीं की। अप्रैल में 25 कंपनियों ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण में रुचि दिखाई थी। इस महीने की शुरुआत में जेएएल के ऋणदाताओं ने संभावित बोलीदाताओं के अनुरोध पर समाधान योजना पेश करने की समयसीमा 24 जून तक बढ़ा दी थी।

चीन के ठेंगा दिखाने के बाद जागी सरकार

अब देश में ही होगा रेयर अर्थ मैग्नेट का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट देने से इन्कार कर दिया है। इसके बाद अब देश में ही इनके उत्पादन का इंतजाम किया जा रहा है। हालांकि वास्तविक उत्पादन में दो साल का समय लग जाएगा। इस दौरान जापान और वियतनाम से रेयर अर्थ मैग्नेट मंगाने पर काम चल रहा है। इनका यूज इलेक्ट्रिक गाड़ियों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में होता है। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने कहा है रेयर अर्थ मैग्नेट के घरेलू उत्पादन पर सब्सिडी योजना शुरू करने के बारे में 15 से 20 दिन में निर्णय लिया जाएगा। इस योजना के तहत सब्सिडी की मात्रा निर्धारित करने के लिए हितधारकों के साथ विचार-विमर्श जारी है। भारी उद्योग मंत्रालय में सचिव कामरान रिजवी का कहना है कि यदि कुल प्रोत्साहन 1,000 करोड़ रुपये से अधिक होता है, तो योजना को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा। कुमारस्वामी ने संवाददाताओं से कहा, हैदराबाद की एक कंपनी इसमें दिलचस्पी दिखा रही है।

कहां आता है काम

चीन द्वारा प्रमुख धातुओं के निर्यात पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंधों के कारण भारत सहित कई देशों में वाहन और सेमीकंडक्टर चिप के विनिर्माण में व्यापक व्यवधान उत्पन्न हुआ है। सचिव ने कहा कि दुर्लभ खनिज के वास्तविक उत्पादन में करीब दो वर्ष लगेंगे। इस दौरान सरकार उद्योग के साथ मिलकर जापान और वियतनाम सहित अन्य वैकल्पिक स्रोतों से खरीद की संभावना तलाशेगी। रिजवी ने कहा, 'आप जानते हैं कि जापान और वियतनाम में दुर्लभ खनिज उपलब्ध हैं। हम वहां से इसे लेने का प्रयास कर रहे हैं।'

रेयर अर्थ मैग्नेट में नियोडिमियम–आयरन–बोरॉन शामिल है। इसका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहन में ट्रैक्शन मोटर और इलेक्ट्रिक वाहन एवं परंपरागत वाहनों में पावर स्टीयरिंग मोटर के लिए किया जाता है।

सब्सिडी से रेयर अर्थ ऑक्साइड को चुंबक में बदलने के लिए प्रसंस्करण सुविधाएं स्थापित करने को निवेश मिल सकेगा। अधिकारियों ने बताया कि परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपक्रम इंडियन रेयर अर्थ मैग्नेट्स लिमिटेड के पास ही रेयर अर्थ मैग्नेट का भंडार है।

कितनी मिलेगी सब्सिडी

रिजवी ने कहा कि योजना केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास मंजूरी के लिए जाएगी या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रोत्साहन की मात्रा कितनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह प्रोत्साहन के स्तर पर निर्भर करता है। यदि यह 1,000 करोड़ रुपये से कम है, तो (भारी उद्योग) मंत्री और वित्त मंत्री इसे कर सकते हैं। यदि यह 1,000 करोड़ रुपये से अधिक है, तो इसे मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा।' उन्होंने कहा कि हमें अभी तक आवश्यक सब्सिडी की मात्रा का पता नहीं है। स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत जारी है और अलग–अलग प्रतिक्रियाएं आई हैं। कोई 50 प्रतिशत चाहता है, कोई 20 प्रतिशत चाहता है, इसलिए यह प्रतिस्पर्धी बोली के अधीन होगा, तब ही हमें आवश्यक समर्थन की मात्रा का पता चलेगा।'

निया के सबसे ताकतवर देश अमेरिका में आने वाली है मंदी!

खतरनाक संकेत दे रहे हैं इकनॉमिक इंडिकेटर्स

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में अभी मंदी का खतरा टला नहीं है। देश के बड़े आर्थिक सूचकांक अब भी मंदी का संकेत दे रहे हैं। लीडिंग इकनॉमिक इंडेक्स में मई में लगातार छठे महीने गिरावट आई है। पिछले 39 महीनों में 37 बार इसमें गिरावट आई है जो देश के इतिहास में सबसे लंबे दौर में से एक है। पिछले छह महीने में 5 फीसदी की सालाना दर से गिरावट आई है जो इस बात का संकेत है कि देश में अब भी मंदी का खतरा बना हुआ है। एलआइइ अपने उच्चतम स्तर से 16 फीसदी गिर चुका है और यह नौ साल के अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 1960 के बाद हर बार मंदी से पहले एलईआई में लंबे समय तक गिरावट आई है। इससे इस बात की आशंका बढ़ गई है कि अमेरिका का इकॉनमी मंदी में जा सकती है। अमेरिका की इकॉनमी मंदी में फंसी तो इसका असर पूरी दुनिया पर देखने को मिलेगा। तकनीकी रूप से लगातार दो तिमाहियों में जीडीपी में गिरावट को मंदी कहा जाता है।

फेड का फंदा

इस बीच अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती की फिलहाल कोई उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि पॉलिसी बदलावों का दौर अभी चल रहा है और इकॉनमी पर उनके प्रभाव के बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। अभी तो हम इंतजार कर रहे हैं। ट्रंप की टैरिफ नीति का इकॉनमी पर कुछ असर होगा लेकिन कितना प्रभाव होगा, यह देखना बाकी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्याज दरों में कटौती की मांग की है। फेड के कई अधिकारियों ने भी उनकी इस मांग का समर्थन किया है।

मुकेश अंबानी ने किया बड़ा खुलासा

जियो में निवेश करना जीवन का सबसे बड़ा जोखिम था

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मैकिन्से एंड कंपनी को दिए एक विशेष साक्षात्कार में खुलकर बताया कि किस तरह जियो में निवेश करना उनके जीवन का सबसे बड़ा जोखिम था। उन्होंने कहा कि विश्लेषकों ने इस पर संदेह जताया था कि क्या भारत आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए तैयार है। फिर भी यह निर्णय रिलायंस इंडस्ट्रीज के परोपकारी सोच को ध्यान में रखते हुए लिया गया। इसका उद्देश्य भारत के डिजिटल परिवर्तन में योगदान देना है।

बोर्ड से कहा पैसा डूबता है तो कोई बात नहीं– अंबानी – अंबानी ने बताया कि मैंने बोर्ड से कहा कि सबसे बुरे हालात में भी अगर हमें वित्तीय लाभ नहीं हुआ, तो भी ठीक है, क्योंकि ये पैसा हमारा खुद का है। लेकिन इस प्रक्रिया में हमने अगर भारत को डिजिटाइज कर दिया, तो ये हमारा सबसे बड़ा परोपकारी कार्य होगा।

रिलायंस के भविष्य पर की चर्चा – अंबानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के भविष्य पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि रिलायंस के लिए अब बदलाव यह है कि हम एक डीप-टेक और उन्नत विनिर्माण कंपनी बनने जा रहे हैं। हमने टेलीकॉम से शुरुआत की। 2021 में हमने 5जी लॉन्च किया। इसका पूरा सिस्टम कोर, हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर सब खुद बनाया। हमने 20 प्रतिशथ की मदद के लिए एरिक्सन और नोकिया का इस्तेमाल किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हमने जो 80 प्रतिशथ लगाया वह अच्छा है और हमारी टीम खुद पर बहुत ज्यादा गर्व न करें।

एआई को समाज के लिए उपयोग करना है – रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ने आगे कहा कि कंपनी का बड़ा उद्देश्य समाज की जटिल समस्याओं को हल करना और देश व जनता के लिए संपत्ति निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि एआई में अपना लक्ष्य तय किया है, समाज की जटिल समस्याओं का समाधान करना।

सोना–चांदी के दाम और गिरे

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इजरायल में सीजफायर का असर बुलियन मार्केट्स पर दिखने लगा है। शेयर मार्केट में रौनक लौटते ही सर्राफा बाजारों में सोने-चांदी के दाम गिरने लगे। आज यानी बुधवार 25 जून को 24 कैरेट सोना 112 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता होकर 97151 रुपये पर खुला। जबकि, चांदी 317 रुपये टूटकर 105650 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। जीएसटी के साथ 24 कैरेट सोना जहां 100065 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से बिक रहा है तो चांदी 108819 रुपये किलो।

18 कैरेट गोल्ड का भाव 72863 रुपये– आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 112 रुपये सस्ता होकर 96762 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव 103 रुपये टूटकर 89990 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 84 रुपये सस्ता होकर 72863 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 66 रुपये घटकर 56833 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई है। इसमें जीएसटी और मेकिंग चार्ज नहीं जुड़ा है। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। इनमें जीएसटी नहीं लगा है। हो सकता है आपके शहर में इससे 1000 से 2000 रुपये का अंतर आ रहा हो। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है। एक बार दोपहर 12 बजे के करीब दूसरा 5 बजे के आसपास।

इस साल सोना 21411 और चांदी 19633 रुपये महंगी– इस गिरावट के बावजूद साल 2025 में तेजी के मामले में सोना एक बार फिर चांदी को पछाड़ दिया है। सर्राफा बाजारों में इस साल सोना करीब 21411 रुपये और चांदी 19633 रुपये महंगी हो चुकी है। 31 दिसंबर 24 को सोना 76045 रुपये प्रति 10 के रेट से खुला था और चांदी 85680 रुपये प्रति किलो से। इस दिन सोना 75740 रुपये पर बंद हुआ। चांदी भी 86017 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

4100 रुपये के पार जा सकता है टाटा का यह शेयर, झुनझुनवाला का कंपनी पर बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर बुधवार को क्रस्थ में 3 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 3633.10 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। टाइटन के शेयरों में और तेजी देखने को मिल सकती है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वरी के मुताबिक, टाइटन के शेयर अपने पिछले क्लोजिंग प्राइस से 17 पर्सेंट उछल सकते हैं। ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, ज्वैलरी सेगमेंट में मजबूत डिमांड कंपनी के परफॉर्मेंस को रफ्तार दे सकती है। टाइटन, दिग्गज इनवेस्टर रहे राकेश झुनझुनवाला का फेवरिट स्टॉक रहा है। झुनझुनवाला फैमिली का टाइटन पर बड़ा दांव है।

4150 रुपये का दिया है टारगेट– इंटरनेशनल ब्रोकरेज फर्म मैक्वरी ने टाइटन कंपनी के शेयरों को 4150 रुपये का टारगेट दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों को आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। मैक्वरी ने अपने नोट में लिखा है कि सोने की ऊंची कीमतों के बावजूद पहली तिमाही में ज्वैलरी सेगमेंट में मजबूत डिमांड देखने को मिल सकती है। मैक्वरी का कहना है कि पहली तिमाही में टाइटन के ज्वैलरी सेगमेंट में 21 पर्सेंट की सेल्स/इबिट ग्रोथ देखने को मिलेगी। टाइटन के शेयर का कवरेज करने वाले 35 एनालिस्ट्स में से 23 ने कंपनी के शेयरों को बाय रेटिंग दी है। वहीं, 7 एनालिस्ट्स ने होल्ड रेटिंग और पांच ने सेल रेटिंग दी है। यह बात सीएनबीसी–टीवी 18 की एक रिपोर्ट में कही गई है।

झुनझुनवाला फैमिली का टाइटन पर बड़ा दांव– दिग्गज निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला के पास टाइटन के कुल 45,793,470 शेयर हैं। कंपनी में रेखा झुनझुनवाला की 5.17 पर्सेंट हिस्सेदारी है। शेयरहोल्डिंग का यह डेटा मार्च 2025 तिमाही तक का है। राकेश झुनझुनवाला की 14 अगस्त 2022 में मृत्यु हो गई थी।

जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज की सदी की सबसे भव्य शादी

आएंगे कौन-कौन से मेहमान

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस और उनकी प्रेमिका लॉरेन सांचेज की होने वाली सदी की सबसे भव्य शादी में शामिल होने के लिए मेहमानों का आने का सिलसिला शुरू हो चुका है। इवांका ट्रंप मंगलवार तड़के ही वेनिस पहुंच गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी अपने पति जेरेड कुशनर और तीन बच्चों के साथ नजर आईं। परिवार को वेनिस की नहरों में वॉटर टैक्सी पर सवार होते देखा गया।

मेहमानों के लिए शानदार ठिकाना

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इवांका परिवार 5-स्टार अमान वेनिस होटल में ठहर सकता है। यह भव्य होटल ग्रैंड कैनाल के किनारे 16वीं सदी के महल में बना है।

2014 में हॉलीवुड स्टार जॉर्ज क्लूनी और अमल की शादी भी यहीं हुई थी।

सुरक्षा डर से बदला वेडिंग वेन्यू

जेफ बेजोस की शादी की पार्टी का स्थान अचानक बदल दिया गया है। शुरुआत में कैनारेजियो इलाके में जश्न की योजना थी, लेकिन दो वजहों से आयोजकों ने विचार बदला–

1. प्रदर्शन का खतरा

एक्टिविस्ट्स हफ्तों से विरोध कर रहे हैं कि यह शादी वेनिस के पहले से कमजोर इकोसिस्टम को नुकसान पहुंचाएगी।

2. सुरक्षा चिंताएं

इतने बड़े आयोजन में सेलेब्रिटीज की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुश्किल था।

नया वेन्यू: ऐतिहासिक शिपयार्ड

अब शादी वेनिस आर्सेनल में होगी। यह 14वीं सदी का विशाल परिसर है जो पहले जहाज बनाने और हथियार रखने के काम आता था। यह जगह चारों तरफ पानी से घिरी है और पुलों के उठ जाने पर जमीनी रास्ते से पहुंच असंभव है। सुरक्षा के लिहाज से यह पुराने वेन्यू से अधिक सुरक्षित माना जा रहा है। आयोजकों ने शादी के मेहमानों के लिए वेनिस की विभिन्न कंपनियों से कम से कम 30 पानी टैक्सियों को भी बुक किया है। 250 मेहमानों के लिए पांच होटल शहर के पांच सबसे शानदार होटलों को अपेक्षित 200–250 मेहमानों की मेजबानी के लिए बुक किया गया है। 90 निजी जेट, 30 वाटर टैक्सी पहले निजी जेट मंगलवार को वेनिस हवाई अड्डे पर पहुंचे और लगभग 90 अगले कुछ दिनों में वेनिस और आसपास के हवाई अड्डों जैसे ट्रेविसो और वेरोना में उतरेंगे।

मेहमानों के लिए लग्जरी होटल्स– जेफ और लॉरेन ने मेहमानों के ठहरने के लिए पांच शानदार होटल बुक किए हैं। इनमें अमान वेनिस, द ग्रिट्टी पैलेस, सेंट रेजिस, बेलमोंड सिप्रियानी और होटल डेनिएली शामिल हैं। इनमें से कुछ होटल पूरी तरह बुक हैं तो कुछ आंशिक रूप से। यह सदी की सबसे भव्य शादियों में से एक बनने जा रही है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका भी पहुंचीं

इस शादी में दुनिया भर के बड़े नाम शामिल होंगे। जैसे टेक दिग्गज मार्क जुकरबर्ग और बिल गेट्स। हॉलीवुड सितारों में लियोनार्डो डिकैप्रियो, कैटी पेरी और फैशन आइकॉन किम कार्दशियान, डायने वॉन फर्स्टनबर्ग आदि। जेरेड कुशनर और उनके दो बच्चे 24 जून, 2026 को वेनिस में अमेज़न के संस्थापक जेफ़ बेजोस की शादी से पहले सेंट रेजिस होटल पहुंचते समय टैक्सी बोट पर खड़े हैं।

रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की शादी टली

अब 18 नवंबर को काशी में नहीं होगा दोनों का विवाह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज की शादी, जो 19 नवंबर को होने वाली थी, अब कथित तौर पर स्थगित कर दी गई है। इस महीने की शुरुआत में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक भव्य समारोह में दोनों ने सगाई की थी। सगाई समारोह में कई बड़े चेहरे शामिल हुए थे। कुछ उल्लेखनीय मेहमानों में सपा अध्यक्ष और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, अभिनेत्री जया बच्चन और भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे।

अब फरवरी 2026 में होगी रिंकू और प्रिया की शादी

सगाई के बाद रिंकू सिंह और प्रिया सरोज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर समारोह की कई तस्वीरें भी शेयर की थीं। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी नवंबर में होने वाली उनकी क्रिकेट प्रतिबद्धताओं के कारण स्थगित कर दी गई है। अखबार ने जोड़े के परिवार के सदस्यों को स्रोत के हवाले से लिखा कि शादी अब फरवरी 2026 में होगी और सही तारीख जल्द ही बताई जाएगी।

19 नवंबर के लिए बुक था वाराणसी का ताज होटल

रिपोर्ट में कहा गया है, 'परिवार ने 19 नवंबर 2025 को रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी के लिए वाराणसी के ताज होटल को बुक किया था। हालांकि, भारतीय क्रिकेट टीम के लिए रिंकू सिंह की प्रतिबद्धताओं ने उन्हें शादी को स्थगित करने के लिए मजबूर किया।' आगे कहा गया है, 'होटल अब फरवरी के अंत के लिए बुक किया गया है, लेकिन सही तारीख की अब तक पुष्टि नहीं हुई है।'

8 जून 2025 को हुई थी रिंकू और प्रिया सरोज की सगाई

इससे पहले 8 जून 2025 को रिंकू सिंह और प्रिया सरोज ने लखनऊ में एक भव्य समारोह में सगाई की थी। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया, 'यह दिन हमारे दिलों में बहुत लंबे समय से था, लगभग तीन साल और हर पल इंतजार के लायक था। सगाई- पूरे दिल से और हमेशा के लिए।'

नीरज चोपड़ा ने 4 दिन के अंदर दूसरा टूर्नामेंट जीता

- गोल्डन स्पाइक मीट में नंबर-1 रहे, 85.29 मी. भाला फेंका; पेरिस डायमंड लीग जीती थी

नई दिल्ली, एजेंसी। नीरज चोपड़ा का पहला थ्रो अमान्य रहा। उन्होंने तीसरे प्रयास में 85.29 मीटर भाला फेंका।भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को गोल्डन स्पाइक मीट में पहला स्थान हासिल किया है। वे लगातार दूसरे टूर्नामेंट में नंबर-1 पर रहे हैं। नीरज ने 4 दिन पहले 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल किया था। नीरज ने मंगलवार रात को चेक रिपब्लिक (ओस्त्रावा) में आयोजित इस टूर्नामेंट में 85.29 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहे। द. अफ्रीका के डोव स्मित (84.12 मीटर) पर्सनल बेस्ट के साथ दूसरे और ग्रेनाडा के एंडरसन पेटर्स (86.63 मीटर) तीसरे नंबर पर रहे। नीरज इस समय वर्ल्ड एथलेटिक्स के कॉन्टीनेंटल टूर पर हैं। इस टूर्नामेंट में 9 प्लेयर्स ने हिस्सा लिया। उन्होंने को पेरिस डायमंड लीग भी जीती थी।

तीसरे प्रयास में आया नीरज का बेस्ट थ्रो प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा का बेस्ट थ्रो तीसरे प्रयास में आया। उन्होंने फाउल से शुरुआत की। फिर 83.45 मीटर स्कोर किया। नीरज 85.29 मीटर के थ्रो के साथ वे टॉप पर आ गए। उन्होंने अगले 2 थ्रो में क्रमशः 82.17 मीटर और 81.01 मीटर स्कोर किया। आखिरी थ्रो फाउल रहा।

तिलक ने काउंटी चैम्पियनशिप के डेब्यू पर जड़ा शतक, कहा- रहाणे से कह सकता हूं कि...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच हेडिंग्ले क्रिकेट ग्राउंड पर पहले टेस्ट का अंतिम दिन जहां भारतीय गेंदबाजों को विकेट मिलने में मुश्किल हो रही है। वहीं दूसरी तरफ तिलक वर्मा ने यूके में हैम्पशायर के लिए खेलते हुए काउंटी चैम्पियनशिप में डेब्यू पर शतक लगा दिया है। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 98 के स्कोर से आगे खेलते हुए चेम्सफोर्ड में एसेक्स के खिलाफ शतक लगाया। वर्मा ने तीसरे दिन कुछ ही समय में अपना पहला काउंटी शतक बनाया, लेकिन शुरुआत को आगे नहीं बढ़ा सके। उन्होंने 241 गेंदों पर 100 रन बनाए। लेकिन वह साइमन हार्मर द्वारा आउट हो गए। वर्मा ने अपनी पारी के दौरान 11 चौके और तीन छक्के लगाए। वर्मा 2019 में अजिंक्य रहाणे के बाद हैम्पशायर के लिए शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। वर्मा ने दूसरे दिन के बाद कहा, मैं रहाणे से कह सकता हूं कि मैंने भी यहां शतक बनाया है। आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले 22 वर्षीय रोमांचक खिलाड़ी सबसे बेहतरीन टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं। नई द्विष्ट रैंकिंग में वह दुनिया में नंबर 3 रैंक वाले टी20 बल्लेबाज है। वर्मा ने कहा, मैं हमेशा कहता हूं, टेस्ट क्रिकेट मेरा पसंदीदा है।

नेमार ने सैंटोस के साथ कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर 2025 तक बढ़ाया

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। नेमार ने सैंटोस के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक बढ़ा दिया है। इसका ऐलान ब्राजील के सीरी ए क्लब ने किया है। 33 वर्षीय पूर्व बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन फॉरवर्ड सऊदी प्रो लीग की टीम अल-हिलाल से अलग होने के बाद जनवरी में छह महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर अपने बचपन के क्लब में लौट आया है। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर का नाम मेजर लीग सॉकर में जाने या यूरोप में वापसी की अटकलों से जुड़ा हुआ था, लेकिन उन्होंने अब 2025 सीजन के अंत तक सैंटोस क्लब में बने रहने पर सहमति जताई है। नेमार ने क्लब की वेबसाइट पर एक बयान में कहा, मैंने एक फैसला लिया और अपने दिल की बात सुनी। सैंटोस सिर्फ मेरी टीम नहीं है। यह मेरा घर, मेरी जड़ें, मेरा इतिहास और मेरा जीवन है। उन्होंने आगे कहा, यहां मैं एक लड़का था, जो एक आदमी बन गया। मुझे सच में बहुत प्यार मिलता है। यहां मैं वास्तव में खुश हूं। यहीं पर मैं अपने करियर में अधूरे सपनों को पूरा करना चाहता हूं। मुझे कोई नहीं रोक सकता। मैं जाता हूं, वापस आता हूं और यहीं रहता हूं। जहां से यह सब शुरू हुआ और जहां यह कभी खत्म नहीं होगा। नेमार ने 2009 में सैंटोस के लिए अपना प्रोफेशन डेब्यू किया और क्लब के लिए 243 मैच खेले। इस दौरान 141 गोल किए और 69 असिस्ट दिए। चोटों के कारण वह इस साल आठ बार के ब्राजीलियाई सीरी-ए चैंपियन के लिए सिर्फ 12 मैच ही खेल पाए हैं। सैंटोस के अध्यक्ष मार्सेलो टेक्सेरा ने कहा, यह ब्राजीलियन फुटबॉल के लिए एक ऐतिहासिक दिन है।

एमएलसी 2025

दादा भारत के लिए खेले, पोते ने अमेरिकी लीग में दिलाई जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक्सास सुपर किंग्स ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) के 15वें मैच में जीत दर्ज की। इस टीम ने लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स को 52 रन से हराया। टीम की जीत में शुभम रांझणे का अहम योगदान रहा, जिन्होंने ताबड़तोड़ 70 रन की पारी खेली। शुभम का जन्म 26 मार्च 1994 को महाराष्ट्र में हुआ। क्रिकेट उनके खून में है। इस ऑलराउंडर के पिता सुभाष महाराष्ट्र के लिए खेल चुके हैं। उन्होंने अंडर-19 टीम का प्रतिनिधित्व भी किया है। वहीं, दादा वसंत रांझणे भी एक ऑलराउंडर रहे, जिन्होंने भारत के लिए सात टेस्ट खेले।

शुभम रांझणे को आईपीएल-2019 में राजस्थान रॉयल्स ने खरीदा था, लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिल सका। साल 2016 में मुंबई के लिए अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू करने वाले शुभम 15 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके हैं। यह सीजन में टेक्सास सुपर किंग्स की चौथी जीत रही। शुरुआती तीन मैच जीतने के बाद इस टीम को लगातार दो हार का सामना करना पड़ा था।वहीं, दूसरी ओर लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स सीजन का अपना चौथा मैच गंवा बैठी है। इस टीम ने हार की हैट्रिक लगाने के बाद एक जीत दर्ज की, लेकिन इस लय को बरकरार नहीं रख सकी। डलास में खेले गए मुकाबले की बात करें, तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टेक्सास की टीम ने आठ विकेट गंवाकर 196 रन बनाए।

टेस्ट नहीं खेलेंगे जसप्रीत बुमराह!

इंडिया-इंग्लैंड दूसरा टेस्टःगौतम गंभीर ने प्लान को लेकर दे दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट हार गई, फील्डिंग के आलावा भारत की गेंदबाजी भी खराब रही. जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो पहली पारी में कोई अन्य गेंदबाज इंग्लिश बल्लेबाजों पर दबाव नहीं बना पाया. दूसरी पारी में तो बुमराह भी कोई विकेट नहीं ले पाए. हालांकि अब टीम इंडिया की नजरें दूसरे टेस्ट पर है, लेकिन उससे पहले हेड कोच गौतम गंभीर ने बुमराह को लेकर बड़ा अपडेट दिया है. पहले टेस्ट की हार के बाद प्रेस के सवालों का जवाब देने खुद हेड कोच गौतम गंभीर आए, जिनकी कोचिंग में भारतीय टेस्ट टीम अच्छा नहीं कर पा रही है. इस दौरे पर सबसे मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते वह सिर्फ 3 ही टेस्ट खेलेंगे. प्रेस कांफ्रेंस में गौतम गंभीर ने भी कन्फर्म किया कि प्लान में कोई बदलाव नहीं हुआ है और पहले टेस्ट में हार के बावजूद बुमराह अब बचे हुए मैचों में से सिर्फ 2 में ही खेलेंगे.

गौतम गंभीर ने जसप्रीत बुमराह को लेकर क्या अपडेट दिया

गंभीर ने कहा मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेज करना हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि आगे बहुत सारा क्रिकेट होना है और हम जानते हैं कि वह कितने जरुरी हैं. इसलिए इस दौरे पर आने से पहले ही यह तय

हो गया था कि वह तीन टेस्ट खेलेंगे, लेकिन देखते हैं कि उसका शरीर कैसा रहता है. लेकिन हमने यह तय नहीं किया है कि वह कौन से दो अन्य टेस्ट मैच खेलेंगे. बेशक गौतम गंभीर ने साफ़ किया कि अभी ये तय नहीं है कि बुमराह कौन से 2 और टेस्ट खेलेंगे लेकिन खबर है कि वह दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे. भारत बनाम इंग्लैंड दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से एजबेस्टन, बर्मिंघम में खेला जाएगा. गंभीर को लेकर खबर है कि वह दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे, वह तीसरे और फिर उसके बाद सीरीज के आखिरी टेस्ट में खेलेंगे.

अंकतालिका में भारत की ये है स्थिति, इंग्लैंड बना नंबर 1

डब्ल्यूटीसी पॉईंट टेबल

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ट टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 साइकल में भारतीय क्रिकेट टीम अपना पहला टेस्ट सीरीज इंग्लैंड के खिलाफ खेल रही है। इस 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले ही मैच में भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा और भारतीय टीम की शुरुआत शुभमन गिल की कप्तानी में खराब हुई।

बेन स्टोक्स की कप्तानी में मेजबान इंग्लैंड ने भारत को 5 विकेट से हरा दिया और वर्ल्ट टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गई। वहीं भारतीय टीम फिलहाल इस अंकतालिका में चौथे नंबर पर है। भारतीय टीम को अपने पहले ही मैच में हार मिली और वो एक भी अंक अर्जित नहीं कर पाई।

लीड्स टेस्ट मैच में भारत ने इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 371 रन का मुश्किल टारगेट दिया था, लेकिन भारतीय गेंदबाजी काफी खराब रही और इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने मैच के आखिरी दिन जीत के लिए बचे 350 रन के लक्ष्य को आराम से हासिल कर लिया। इंग्लिश टीम ने 5 विकेट पर 373 रन बनाते हुए मैच जीत लिया और भारत को निराश होना पड़ा। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 की अंकतालिका की बात करें तो इसमें भारत के खिलाफ जीत के बाद इंग्लैंड पहले स्थान पर है जिसने अपने पहले मैच को जीतकर 12 अंक हासिल किए और इस टीम की जीत का प्रतिशत 100.00 है तो वहीं इसमें दूसरे नंबर पर बांग्लादेश तो तीसरे नंबर पर श्रीलंका है। बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच खेला गया मैच ड्रॉ रहा था और दोनों टीमों के 4-4 अंक हैं जबकि जीत का प्रतिशत 33.33-33.33 है।

25 छक्के... वैभव सूर्यवंशी ने मारे इतने रन, शुभमन गिल की टीम इंडिया जहां गई हार, वहीं किया जीत का दीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की टीम इंडिया को इंग्लैंड में जहां हार का सामना करना पड़ा. वहीं वैभव सूर्यवंशी की टीम का सूरज जीत के साथ चमका है. ये दोनों ही घटनाएं एक ही दिन घटी हैं. 24 जून को ही शुभमन गिल को टेस्ट सीरीज के पहले मैच में हार मिली और उसी दिन वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड में जीत का दीदार किया. अब इंग्लैंड ने शुभमन गिल की टीम इंडिया को 5 विकेट से हराया कैसे, इस पर तो काफी कुछ लिखा जा चुका है. लेकिन वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे, हरवंश सिंह जैसे उभरते खिलाड़ियों से सजी भारत की अंडर 19 टीम ने जीत का बिगुल कैसे फूंका, आइए जानते है.

इंग्लैंड में भारत की अंडर 19 टीम की जीत की डफली 24 जून को एक प्रैक्टिस मैच में बजी. 50 ओवर के इस मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड लायंस को उतने रन से हराया, जितने उसने बनाए भी नहीं. वैभव सूर्यवंशी, हरवंश सिंह, राहुल कुमार, आयुष म्हात्रे जैसे बल्लेबाजों से भरी भारत की अंडर 19 टीम ने मैच में कुल 25 छक्के और 37 चौके लगाए. इन 62 बाउंड्रीज

के दम पर भारत की अंडर 19 टीम ने 50 ओवर में 444 रन का विशाल स्कोर बनाया, जिसका पीछा करते हुए इंग्लैंड लायंस केवल 211 रन ही बना सकी. मतलब वो 231 रन से प्रैक्टिस मैच हार गए.

अब सवाल है कि 25 छक्के उड़ाने वाली भारत की अंडर 19 टीम की तरफ से किसने कितने रन बनाए? वैभव सूर्यवंशी ने कितने रन मारे? इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 24 जून को खेले प्रैक्टिस मैच में आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की ओपनिंग जोड़ी ज्यादा जमी नहीं. सिर्फ 9 रन पर ये पार्टनरशिप टूट गई. कप्तान आयुष म्हात्रे ने 1 रन बनाए. आयुष के जाने के बाद वैभव सूर्यवंशी भी ज्यादा देर रूके नहीं. मगर जब तक वो क्रीज पर रहे, अपनी मौजूदगी का एहसास खूब कराया. उन्होंने सिर्फ 13 गेंदों का सामना किया मगर उसमें भी एक छक्का और 2 चौके उनके बल्ले से देखने को मिले. उन्होंने 130 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 17 रन बनाए.

अब सवाल है कि ना आयुष चले ना वैभव सूर्यवंशी तो फिर भारत की अंडर 19 टीम ने कैसे 444 रन का स्कोर खड़ा कर दिया? तो इसका जवाब हैं हरवंशन सिंह, जिन्होंने 9वें नंबर पर उतरकर 9 छक्कों के साथ नाबाद 103 रन जड़े. हरवंश के अलावा राहुल कुमार ने 5 छक्के और 4 चौके के साथ 63 गेंदों पर 75 रन बनाए. कनिष्क चौहान ने 5 छक्के, 5 चौके के साथ 64 गेंदों में 79 रन ठोके तो वहीं आरएस अमबरीश ने 4 छक्के और 6 चौके के साथ 47 गेंदों में ही 72 रन ठोक दिए. इन 4 बल्लेबाजों के आतिशी खेल का ही नतीजा रहा कि मैच में भारत की अंडर 19 टीम की तरफ से 25 छक्के तो देखने को मिले ही, उसके अलावा 444 रन भी बनते दिखे.

27 जून से सीरीज का आगाज

भारत और इंग्लैंड की अंडर 19 टीम के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत 27 जून से शुरू हो रही है. उससे पहले भारतीय बल्लेबाजों ने रनों की बारिश कर अपनी तैयारियों का ट्रेलर दिखा दिया है. वैभव सूर्यवंशी भले ही ज्यादा योगदान नहीं दे सके मगर वो ऐसे बल्लेबाज हैं जो कभी भी गियर बदल सकते हैं.

पंचायत 4 की

रिंकी सानविका नहीं देना चाहती थी ऑडिशन

पॉपुलर वेब सीरीज पंचायत 4 प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है. वेब सीरीज के नए सीजन को मिलाजुला रिस्पॉन्स मिल रहा है. पंचायत के अभी तक तीन सीजन में नजर आने वाले सभी किरदार ने अपनी एक्टिंग के दम पर छाप छोडी है. वेब सीरीज में रिंकी का रोल करने वाली एक्ट्रेस सानविका काफी अहम भूमिका में नजर आती हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि वेब सीरीज पंचायत के लिए सानविका ऑडिशन भी नहीं देना चाहती थी. सानविका ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया है इसके बाद उन्हें ये रोल कैसे मिला और उनके लिए कितना मायने रखता है.

पंचायत की रिंकी ने अपनी कास्टिंग को लेकर की बात

पंचायत की रिंकी यानी सानविका ने एक इंटरव्यू के दौरान वेब सीरीज में अपनी कास्टिंग को लेकर बात की है. उन्होंने बताया है कि किस तरह से उन्हें इसका ऑफर मिला था और वो इसका ऑडिशन भी नहीं देना चाहती थी.

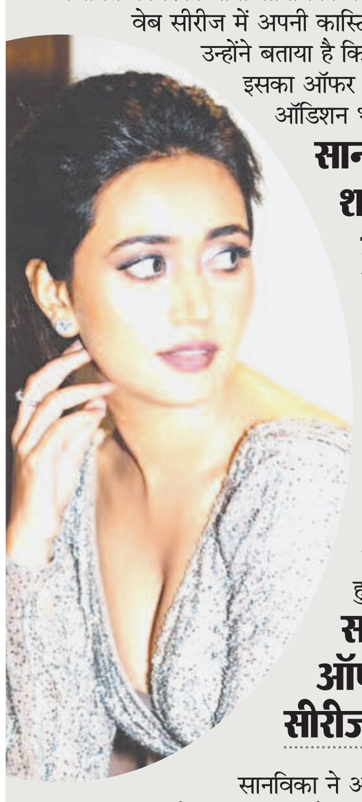

सानविका की एक शख्स से हुई मुलाकात

एक्ट्रेस सानविका ने बताया कि वह रोजाना कास्टिंग कंपनी में एड के ऑडिशन के लिए जाती थी. एक बार जब वो ऑडिशन देने आई तो उनकी मुलाकात कास्टिंग कंपनी में काम करने वाले एक शख्स से हुई थी.

सानविका को ऑफर हुई वेब सीरीज

सानविका ने आगे बताया, उस शख्स ने मुझसे कहा कि आपके लिए एक वेब सीरीज में रोल है. आप उसका ऑडिशन दे दीजिए जब मुझे पता चला कि सीरीज क्या है और कौन बना रहा है तो मैं हैरान हो गई और मैंने अपने आप को खुद से रिजेक्ट कर दिया. मैंने सोचा किया रोल मुझे क्यों मिलेगा

सानविका ने दोबारा फोन आने पर दिया ऑडिशन

उस शख्स ने मुझे कई ऑडिशन देने के लिए कहा लेकिन मैं नहीं गई. फिर कास्टिंग कंपनी से मुझे दोबारा कॉल आया. जिसके बाद मैंने सोचा कि चलो ऑडिशन तो दे ही देते हैं.

सानविका बोलीं- पंचायत में काम करना सपने जैसा

मैंने ये कभी नहीं सोचा था कि मेरा ऑडिशन उन लोगों को पसंद आ जाएगा और मैं रिंकी का रोल करूंगी. अभी ये सपने जैसा लगता है. जिस शख्स ने मुझे ये रोल दिलाया वो आज मेरा बहुत अच्छा दोस्त है.

सानविका का असली नाम है पूजा सिंह

एक्ट्रेस सानविका के बारे में बता दें कि उनका असली नाम पूजा सिंह है. उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में आने के बाद अपना बदल दिया था. सानविका का होमटाउन जबलपुर है और उनके माता-पिता चाहते थे कि वह पढ़ाई करके नौकरी करें. उनका एक्टर बनने का सपना था.

सानविका ने माता-पिता से झूठ बोलकर बनाया करियर

सानविका ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके माता-पिता से कहा कि नौकरी करने जा रही हैं लेकिन वह मुंबई चली गई. सानविका ने मायानगरी में असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर अपना करियर शुरू किया था.

रणदीप हुड्डा का दिखा नया अवतार, फैंस हैरान

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए अपना नया लुक शेयर किया है। ऐसा लुक जिसे देख फैंस हैरान हैं। अभिनेता ने अपने नए लुक की तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। तस्वीर में एक्टर आधे गंजे नजर आ रहे हैं। उनके सिर पर दोनों साइड तो बाल दिखाई दे रहे हैं, लेकिन बीच से बाल गायब हैं, साथ ही एक्टर की हेयरलाइन भी पीछे जाती हुई नजर आ रही है। पोस्ट को देखकर फैंस भी काफी हैरान हो रहे हैं। पोस्ट शेयर कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'इस मंगलवार के लिए कौन-सी चाय? सिर्फ कॉफी ही नहीं है, जो बन रही है!' सूत्रों के मुताबिक, यह नया लुक हाल ही में एक नए प्रोजेक्ट के ट्रायल से है, जिसकी शूटिंग रणदीप जल्द ही शुरू करने वाले हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता हाल ही में फिल्म स्टार सनी देओल की हाई एक्शन फिल्म जाट में विलेन का रोल निभाते दिखे। फिल्म को गोपीचंद मालिनेनी ने निर्देशित किया है। इसमें सैयामी खेर, रेजिना कैसांद्रा, जगपति बाबू, राम्या कृष्णन, विनीत कुमार सिंह, प्रशांत बजाज, जरीना वहाब, पी. रविशंकर और बबलू पृथ्वीराज थे। हुड्डा जल्द ही हॉलीवुड फिल्म मैचबॉक्स में नजर आने वाले हैं, जिसका निर्देशन सैम हार्ग्रेव कर रहे हैं। फिल्म में जॉन सीना, जेसिका बील, सैम रिचर्डसन, आर्टुरो कास्त्रो, टेयोना पैरिस, दानई गुरिरा और कोरी स्टोल सरीखे कलाकार हैं। मैचबॉक्स 2026 में रिलीज होगी। हिंदी सिनेमा की बात करें तो उनके पास युद्ध ड्रामा ऑपरेशन खुकरी है। इसे एक रियल वॉर ड्रामा पर आधारित बताया जा रहा है। फिल्म 2000 में पश्चिमी अफ्रीका के एक देश में हुए वास्तविक सैन्य अभियान पर आधारित है, जहां भारतीय सेना के 233 जवानों को विद्रोही बलों ने बंधक बना लिया था। यह मिशन भारतीय सेना द्वारा अब तक किए गए सबसे खतरनाक और साहसिक अभियानों में से एक माना जाता है। फिल्म में रणदीप हुड्डा मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जो उस वक्त 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कंपनी कमांडर थे और इस मिशन की अगुवाई कर रहे थे।

हेरा फेरी 3 परेश रावल के बिना अधूरी: सोनाक्षी सिन्हा

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने मोस्ट-अवेटेड फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। सोनाक्षी का मानना है कि अपकमिंग फिल्म में अभिनेता परेश रावल के बिना मजा नहीं है। वह बाबूराव गणपतराव आप्टे के बिना फिल्म की कल्पना भी नहीं कर सकती हैं। परेश रावल ने हेरा फेरी फ्रेंचाइज में बाबूराव गणपतराव आप्टे का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता था। सोनाक्षी का कहना है कि कॉमेडी फिल्म परेश रावल के बिना अधूरी है। बातचीत में सोनाक्षी ने एक दर्शक के तौर पर कहा, मैं हेरा फेरी 3 की परेश रावल के बिना कल्पना भी नहीं कर सकती। उनकी मौजूदगी इस फिल्म की जान है।

हाल ही में परेश रावल ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह हेरा फेरी 3 का हिस्सा नहीं होंगे। उन्होंने पोस्ट में स्पष्ट करते हुए बताया कि हेरा फेरी 3 से उनके हटने का फैसला रचनात्मक मतभेदों के कारण नहीं था। निर्देशक प्रियदर्शन के साथ भी उनका कोई मनमुटाव नहीं है। उनकी इस घोषणा ने फैंस को निराश किया, क्योंकि बाबूराव का किरदार इस फिल्म की पहचान है। सोनाक्षी ने अपनी नई फिल्म निकिता रॉय में परेश रावल के साथ पहली बार काम करने के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया, परेश रावल जैसे शानदार एक्टर के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। उनके काम और अभिनय की गहराई ने मुझे बहुत प्रभावित किया। जब उनसे पूछा गया कि वह परेश रावल को कॉमेडी किरदारों में ज्यादा पसंद करती हैं या गंभीर किरदारों में, तो सोनाक्षी ने कहा, वह हर किरदार में कमाल करते हैं, चाहे वह कॉमेडी हो या गंभीर रोल। उनके लिए कोई एक चुनना मुश्किल है। सोनाक्षी की नई फिल्म निकिता रॉय में वह परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के साथ उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं।

अमिताभ बोले - हां, मैं

अभिषेक की प्रशंसा करता हूं

यूजर ने पूछा- जया और ऐश्वर्या की तारीफ क्यों नहीं करते हैं?

बॉलीवुड एक्टर अमिताभ बच्चन आमतौर पर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स को जवाब नहीं देते हैं, लेकिन हाल ही में उन्होंने कुछ ट्रोल्स को सीधे जवाब दिया है। दरअसल, हाल ही में अमिताभ ने एक फेसबुक पोस्ट पर अपने बेटे अभिषेक को लेकर लिखा था- जी हां मैं प्रशंसा करता हूं अभिषेक की तो! इसके बाद एक यूजर ने उनसे पूछा कि वह अपनी बहू ऐश्वर्या और पत्नी जया बच्चन की तारीफ क्यों नहीं करते? इस पर अमिताभ ने जवाब दिया, मैं उन्हें दिल से सराहता हूं. लेकिन सार्वजनिक रूप से नहींज महिलाओं के लिए सम्मान है। मंगलवार को भी अमिताभ ने एक पोस्ट री पोस्ट की, जिसमें अभिषेक की तारीफ की गई थी। पोस्ट में लिखा था, भैय्यू जी (अभिषेक) एक मेहनती कलाकार हैं। वे हमेशा अपनी कला को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने अपने जीवन में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जिनकी पूरी दुनिया ने तारीफ करती है। कालीधर लापता के लिए अग्रिम बधाई।

हार्दिक पांड्या के साथ डेटिंग की खबरों पर ईशा गुप्ता ने तोड़ी चुप्पी

बी-टाउन में अक्सर सेलेब्स के अफेयर और डेटिंग की खबरें फैलती रहती हैं। एक समय ईशा गुप्ता और हार्दिक पांड्या के बीच अफेयर की खबरें भी काफी सुर्खियों में रही थीं। अब इन खबरों पर ईशा ने सच्चाई बताई है। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता अपने बोल्ड लुक्स को लेकर अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। अब ईशा गुप्ता ने उन दिनों को याद किया जब उनके और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या की डेटिंग की खबरें बी-टाउन का हॉट टॉपिक बनी थीं। एक वक्त इन दोनों के अफेयर की काफी चर्चाएं थीं। हालांकि, दोनों सेलेब्स में से किसी ने भी कभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब कई वर्षों बाद अभिनेत्री ईशा गुप्ता ने इस पर बात की और डेटिंग की खबरों की सच्चाई बताई है।

'हम कुछ महीनों बात कर रहे थे'

सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में ईशा गुप्ता ने हार्दिक पांड्या के साथ अपने डेटिंग की खबरों और अफेयर को लेकर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने कहा, 'हां, कुछ समय से हम बात कर रहे थे। मुझे नहीं लगता कि हम डेटिंग कर रहे थे। लेकिन हां, हम कुछ महीनों से बात कर रहे थे। हम उस शायद यह होगा, शायद यह नहीं होगा वाले स्टेज पर थे। डेटिंग स्टेज तक पहुंचने से पहले ही यह खत्म हो गया। तो यह डेटिंग नहीं थी। हम एक या दो बार मिले, बस। तो हां, जैसा कि मैंने कहा, यह कुछ महीने था और फिर यह खत्म हो गया।' ईशा गुप्ता का नाम साल 2018 में हार्दिक पांड्या के साथ जुड़ा था और दोनों के अफेयर की चर्चाएं चली थीं।

इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल में सम्मानित हुई जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज ने सोशल मीडिया पर अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया। साथ ही उन्होंने बताया कि उन्हें हाल ही में रिमिनी में प्रतिष्ठित इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल 2025 में सम्मानित किया गया। बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को सिनेमा की दुनिया में उनके योगदान के लिए इटैलियन ग्लोबल सीरीज फेस्टिवल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसकी झलक जैकलीन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है।

जैकलीन का पोस्ट

वैश्विक मंच पर टेलीविजन और फिल्म में उत्कृष्टता का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम में जैकलीन को पुरस्कार विजेताओं के एक प्रतिष्ठित समूह में शामिल किया गया। अपना आभार व्यक्त करते हुए, जैकलीन ने साझा किया कि उनके लिए सिनेमा, कहानी कहने से कहीं बढ़कर है। उन्होंने इसे एक शक्तिशाली माध्यम बताया जो समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ता है।

जैकलीन के लिए क्या है सिनेमा

जैकलीन ने आगे लिखा, मेरे लिए सिनेमा एक कला के रूप में सिर्फ कहानी सुनाना नहीं है, बल्कि समय, भाषा और महाद्वीपों के पार लोगों को जोड़ने का एक तरीका है। दुनिया के साथ इसे साझा करने में मदद करने के लिए स्वीकार किया जाना शब्दों से ज्यादा मायने रखता है!

अवॉर्ड मिलना सम्मान की बात है

जैकलीन ने आगे लिखा, आगे जैकलीन ने लिखा, रिमिनी में आपके प्रतिष्ठित कार्यक्रम में सभी असाधारण पुरस्कार विजेताओं की उपस्थिति में सम्मानित होना सम्मान की बात थी। दुनिया भर में सिनेमा का जश्न मनाने के लिए हमारे पास और भी कई पल हैं।

जुग जुग जियो के 3 साल पूरे होने पर कियारा आडवाणी ने जताई खुशी, कहा- खुशियों से भरा रहा अनुभव

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी की फिल्म जुग जुग जियो को रिलीज हुए तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस ने खुशी जताई और इसे खास अंदाज से सेलिब्रेट किया। कियारा ने फिल्म को अपनी जिंदगी का एक खुशियों भरा और यादगार अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि इस फिल्म से उन्हें मुस्कुराहट, सीखने का मौका और कई अच्छे पल मिले। मंगलवार को, कियारा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म से जुड़े डूडल फोटो को शेयर किया, जिसमें फिल्म के चारों मुख्य कलाकार वरुण धवन, कियारा आडवाणी, अनिल कपूर और नीतू कपूर को कार्टून अवतार में दिखाया गया। एक्ट्रेस ने लिखा, 3 साल इस खूबसूरत फिल्म के, सबसे अच्छी टीम... सबसे मजेदार समय... जुग जुग जियो! उन्होंने इस पोस्ट में फिल्म के अपने सभी को-स्टार्स को भी टैग किया। जुग जुग जियो 24 जून 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

साभार एजेंसी